सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

मोह अधिक हो जाए तो बुराई नहीं दिखती...!
और यदि घृणा ज्यादा हो जाए तो अच्छाई नजर नहीं आती...!!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–50 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 11 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

विस में गूँजेगा 'राजदूत होटल बार' का मुद्दा : विभाग पर लगा मंत्री को गुमराह करने और तथ्यों को छुपाने का आरोप

नरेन्द्र डाकलिया / रायपुर-राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज राजनांदगांव जिले के शराब लाइसेंसों और नियमों की अनदेखी का मामला गरमा सकता है। विधायक श्रीमती हर्षिता बघेल द्वारा पूछे गए प्रश्न क्रमांक 1159 (ख) के उत्तर में विभाग द्वारा दी गई जानकारी पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि विभागीय अधिकारियों ने क्षेत्र के 'विवादित' और 'अवैध' पहलुओं को छुपाकर मंत्री महोदय को गलत तथ्यों वाली रिपोर्ट सौंपी है।

क्या है पूरा मामला?

दस्तावेजों के अनुसार, राजनांदगांव के "राजदूत होटल बार" (रेसीडेंसी) के लिए नवीन एफ.एल.–3 लाइसेंस (वर्ष 2025–26) की प्रक्रिया में विभाग ने लाइसेंस देने की तत्परता में नियमों की अनदेखी की है। जहाँ एक ओर विभाग इसे नियमानुसार बता रहा है, वहीं दूसरी ओर भूमि विवाद और अतिक्रमण के दस्तावेजी साक्ष्य अधिकारियों के दावों की पोल खोल रहे हैं।

अधिकारियों की रिपोर्ट बनाम जमीनी हकीकत

विभागीय जांच प्रतिवेदन में दावा किया गया है कि आवेदक (हितेन्द्र बग्गा) ने सभी शर्तें पूरी कर ली हैं। लेकिन, राजस्व विभाग के प्रतिवेदनों (13/01/2026 और 23/01/2025) से एक अलग ही कहानी सामने आती है: भूमि अतिक्रमण का विवाद: राजस्व निरीक्षक मंडल लखोली की रिपोर्ट के अनुसार, खसरा नंबर 274/1 और 274/5 की भूमि पर अवैध कब्जे और अतिक्रमण की पुष्टि हुई है।

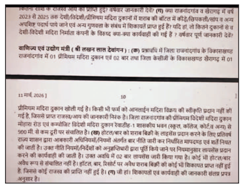

शपथ पत्र पर सवाल

आवेदक द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र में किसी भी गंभीर विवाद या अतिक्रमण की जानकारी न होने की बात कही गई है, जबकि राजस्व विभाग की 'सीमांकन रिपोर्ट' स्पष्ट रूप से भूमि पर विवाद और अन्य लोगों के कब्जे की पुष्टि करती है। विपक्षी खेमे का आरोप है कि इस मामले में इन मानकों की भी सूक्ष्म अनदेखी की गई है।

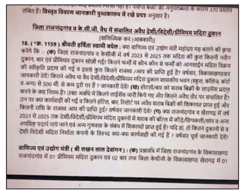

मंत्री को दी गई 'झूठी' जानकारी

सदन में आज वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन उत्तर देने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, विभाग ने मंत्री को भेजी गई ब्रीफिंग में उन शिकायतों और राजस्व विभाग के उन पत्रों का जिक्र ही नहीं किया है जिनमें 'राजदूत होटल बार' की भूमि को विवादित बताया गया है।

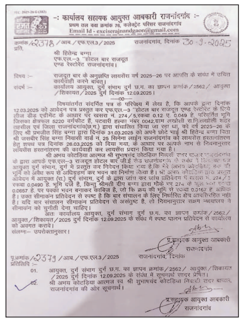

विवाद के मुख्य बिंदु

मुख्य बिंदु विभाग का दावा दस्तावेजी साक्ष्य, भूमि विवाद कोई विवाद नहीं, स्थिति स्पष्ट है। राजस्व रिपोर्ट में अतिक्रमण और अवैध कब्जे दर्ज हैं। लाइसेंस पात्रता आवेदक सभी 31 शर्तों को पूरा करता है। शपथ पत्र और वास्तविक सीमांकन रिपोर्ट में विरोधाभास है। शिकायतें कोई अवैध संचालन या शिकायत प्राप्त नहीं। स्थानीय स्तर पर और न्यायालयीन प्रक्रियाओं में विवाद लंबित। आज विधानसभा में इस मुद्दे पर तीखी बहस होने के आसार हैं। यदि यह साबित होता है कि अधिकारियों ने जानबूझकर मंत्री को गलत जानकारी दी है, तो आबकारी और राजस्व विभाग के कई बड़े अधिकारियों पर गाज गिर सकती है।

विधायक रिकेश सेन की जान को खतरा : विपक्ष ने विधानसभा में सत्तापक्ष से मांगा जवाब

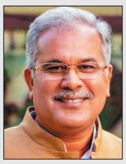

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में शून्य काल के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और विधायक उमेश पटेल ने वैशालीनगर से भाजपा विधायक रिकेश सेन को जान से खतरा का मामला उठाया। विपक्ष ने इस मामले को लेकर सत्तापक्ष से वक्तव्य की मांग उठाई। विपक्ष ने सदन का बर्हिगमन भी किया।

उल्लेखनीय है कि, क्षेत्र के लोगों के लिए अपनी अनूठी योजनाओं के लिए चर्चित वैशालीनगर भिलाई के विधायक रिकेश सेन हाल ही में अपनी जान को खतरा बताते हुए मामले का सबूत सहित खुलासा करने का दावा किया था। महिला दिवस पर एक कार्यक्रम के दौरान श्री सेन ने मंच से ही इस बात का खुलासा किया और वीडियो चलाकर लोगों को दिखाया।

विधायक सुरक्षित नहीं तो सदन कैसे चलेगा : भूपेश

इसी बात को लेकर अब विपक्ष ने विधानसभा में मामले को उठाया है। भूपेश बघेल ने मामले को उठाते हुए कहा कि, वैशालीनगर विधायक विधायक रिकेश सेन ने जान का खतरा बताया है, गंभीर विषय है। कोई सदस्य सदन में सुरक्षित नहीं है, सत्ता पक्ष को इस पर वक्तव्य देना चाहिए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने कहा– मेरी सदस्य से बात हुई है, उनकी सुरक्षा की चिंता है। इस पर भूपेश बघेल ने कहा– जब विधायक ही सुरक्षित नहीं तो सदन कैसे चलेगा। इसके विपक्ष की सत्तापक्ष से वक्तव्य की मांग पूरी ना होने पर विपक्ष ने सदन से बर्हिगमन किया।

मंच से सनसनीखेज खुलासा

उल्लेखनीय है कि, महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान भरी सभा में ही विधायक रिकेश सेन ने अपनी सुरक्षा और निजी जीवन को लेकर एक बड़ा खुलासा किया। उन्होंने सार्वजनिक रूप से बताया कि, पिछले 2 वर्षों से कुछ असामाजिक तत्व उनकी हत्या की साजिश रच रहे थे। उन्होंने मंच से इस साजिश में शामिल चेहरों और उनके मंसूबों का जिक्र करते हुए स्पष्ट किया कि वे जनता की सेवा से पीछे नहीं हटेंगे। गौरतलब है कि पूर्व पार्षद जय प्रकाश यादव का सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होते ही शहर की राजनीति में खलबली मच गई थी। हालांकि महिला दिवस के दिन रिकेश ने भी सार्वजनिक मंच पर इस वीडियों का जिक्र करते हुए चिंता जताई थी लेकिन दूसरे दिन रिकेश ने एक अलग वीडियो बनाकर अपनी खैरियत का हवाला दिया था।

छग में अफीम खेती का दूसरा मामला

बलरामपुर में 5 एकड़ खेत में अफीम जप्त

पूरे छत्तीसगढ़ को भाजपा नशे का गढ़ बनाना चाह रही है–दीपक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-बलरामपुर

छत्तीसगढ़ में अवैध अफीम खेती का मामला बढ़ता नजर आ रहा है। दुर्ग जिले में अफीम की खेती पकड़े जाने के बाद अब बलरामपुर जिले में भी करीब 5 एकड़ खेत में अफीम की फसल मिलने का मामला सामने आया है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर फसल जब्त करने के साथ पूरे मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, बलरामपुर जिले के कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत त्रिपुरी के सरनाटोली गांव के पास जंगल किनारे अफीम की खेती की गई थी। ग्रामीणों की सूचना पर कुसमी एसडीओपी आशीष कुंजाम सहित पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। खेत में अफीम के पौधे पूरी तरह तैयार पाए गए थे और कई डोडों में चीरा भी लगाया गया था, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि वहां से अफीम निकालने की प्रक्रिया चल रही थी। पुलिस ने मौके से बड़ी मात्रा में सूखे डोडे भी बरामद किए हैं, जिनमें खसखस भरा हुआ था। फिलहाल खेत किसका है और अफीम की खेती किसने की, इसकी जांच जारी है।

इससे पहले दुर्ग जिले के समोदा और झेनझरी गांव में भाजपा नेता विनायक ताम्रकार के खेत में करीब 5 एकड़ 62 डिसमिल जमीन पर अफीम की खेती पकड़ी गई थी। पुलिस ने वहां से लगभग 62 हजार किलो अफीम के पौधे जब्त किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 7 करोड़ 88 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने मामले में विनायक ताम्रकार सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपी अभी फरार हैं। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। प्रशासन का कहना है कि अवैध अफीम खेती के मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सरकार के संरक्षण में दुर्ग के बाद बलरामपुर में अफीम की खेती

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि दुर्ग के समोदा में अफीम की खेती के खुलासे के बाद बलरामपुर के कुसुमी थानांतर्गत त्रिपुरी गांव में अफीम की खेती के खुलासे से साबित हो रहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के

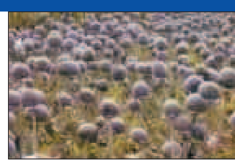

बाद भाजपा पूरे छत्तीसगढ़ को नशे का गढ़ बनाना चाहती है। अभी तो सिर्फ दो जगह का खुलासा हुआ है, पूरे प्रदेश में सरकार अफीम, गांजा, भांग की खेती करवा रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पूरे प्रदेश में अवैध नशे के कारोबार को संरक्षण, भाजपा की सरकार में मिल रहा है। दुर्ग जिले के समोदा में जिस भूमि पर भाजपा नेता अफीम की खेती कर रहा था, भाजपा की सरकार ने डिजिटल गिरदावली रिपोर्ट में उस जमीन पर मक्का और गेहूं की खेती बताया है, इसका मतलब साफ है कि सत्ता के संरक्षण में ही यह सब कुछ हो रहा है। पिछले 13 महीना के दौरान 2599 प्रकरण नारकोटिक्स के दर्ज हुए जो ज्यादातर सोशल मीडिया के माध्यम से उजागर हुए हैं, सरकार का इंटेलिजेंस और प्रशासन मौन हैं। कार्यवाही के नाम पर केवल लीपापोती की जा रही है। 10 से 17 साल के लाखों नाबालिक बच्चे सूखे नशे की गिरफ्त में आ चुके हैं, सैकड़ों मौत हो चुकी है लेकिन यह सरकार सोई हुई है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश में अवैध नशे के तस्कर, कोचिंग और बिचौलियों को संरक्षण देते देते भाजपाई अब अफीम की खेती तक उतर आए हैं, कमल खिलाने का दावा करने वाले भाजपाई अफीम के पौधे उगाने लगे हैं। सरकार और पुलिस की मिलीभगत के कारण ही प्रदेश के युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे है। पिछले दो साल में शराब, गांजा, अफीम, हिरोईन जैसे नशों के कारण प्रदेश की युवा पीढ़ी में नशे की लत महामारी का रूप ले चुकी है।

'प्रदेश में नशे का फैलता नेटवर्क बेहद गंभीर विषय' —अरुण वोरा

छत्तीसगढ़ में अवैध अफीम की खेती के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। दुर्ग जिले में हाल ही में अफीम की खेती पकड़े जाने के बाद अब बलरामपुर जिले में भी करीब 5 एकड़ क्षेत्र में अफीम की फसल मिलने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार त्रिपुरी क्षेत्र के सरनाटोली गांव के पास जंगल किनारे इस अवैध खेती को अंजाम दिया जा रहा था। खेत में अफीम की फसल लहलहा रही थी और डोडे पूरी तरह तैयार हो चुके थे, जिनमें चीरा भी लगाया जा चुका था। ग्रामीणों की शिकायत मिलने के बाद प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। इस घटना को लेकर प्रदेश में अवैध नशे के कारोबार और उसकी निगरानी को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

इस पूरे मामले को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। एक के बाद एक जिलों में अफीम की खेती का सामने आना यह बताता है कि मामला केवल एक जगह तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा नेटवर्क सक्रिय हो सकता है। यह कोई सामान्य घटना नहीं, बल्कि यह स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश में नशे का संगठित नेटवर्क तेजी से फैल रहा है। भाजपा सरकार को इस पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए और प्रदेश की जनता को बताना चाहिए कि आखिर नशे का यह कारोबार किसके संरक्षण में फल-फूल रहा है।

प्रदेश में नशे का अवैध कारोबार गहराई तक फैल चुका है। यदि समय रहते सख्त और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो यह पूरे छत्तीसगढ़ की सामाजिक व्यवस्था और युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच हो तथा जो भी लोग इसमें शामिल हों, उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि प्रदेश को नशे के इस बढ़ते जाल से बचाया जा सके।

नेहरू नगर में देह व्यापार का पर्दाफाश संचालिका व ग्राहक हुआ गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नेहरू नगर स्थित विद्या विहार कॉलोनी में पुलिस ने एक मकान में संचालित अनैतिक देह व्यापार का भंडाफोड़ किया। इस कारवाई में महिला रक्षा टीम एवं थाना स्मृति नगर पुलिस की संयुक्त टीम सक्रिय रही। घटना के दौरान संचालिका धनवंती रावत उर्फ रीना सिंह रावत (35 वर्ष) और एक ग्राहक अमन शेख (25 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। मौके से कुल आठ महिलाओं को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई, जिनमें से आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें रिहा किया गया।

जानकारी के अनुसार, 10 मार्च 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि विद्या विहार कॉलोनी, मकान नंबर 146/8 में महिलाओं को बुलाकर उनसे अनैतिक देह व्यापार कराया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रेड कार्यवाही की। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि मकान में आर्थिक लाभ के उद्देश्य से वेश्यावृत्ति संचालित की जा रही थी। रेड कारर्वाई में मौके से 01 नग पल्सर मोटरसाइकिल, 12 मोबाइल फोन, आपत्तिजनक सामग्री और 5,500 रुपये नगदी जब्त किए गए। गिरफ्तारी और जप्त सामग्री को अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956 के अंतर्गत वैधानिक कारर्वाई में शामिल किया गया।

पुलिस ने बताया कि महिला सुरक्षा एवं मानव अधिकारों का ध्यान रखते हुए अन्य महिलाओं के संबंध में न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई। इससे यह सुनिश्चित किया गया कि दोषियों के विरुद्ध कारर्वाई के साथ-साथ किसी भी निदीष महिला को अनुचित परेशानियों का सामना न करना पड़े। क्वउअह टीम और थाना स्मृति नगर पुलिस की संयुक्त टीम की तत्परता और सतकर्ता इस सफलता के पीछे मुख्य कारण रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की कारर्वाई से समाज में कानून व्यवस्था बनाए रखने और महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने में मदद मिलती है।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अपने आसपास होने वाली किसी भी अवैध या अनैतिक गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। ऐसे मामलों में संलिप्त पाए जाने वाले सभी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कारर्वाई की जाएगी। पुलिस ने यह भी कहा कि नागरिकों का सहयोग कानून व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है और समाज के सुरक्षित वातावरण के लिए जरूरी है। इस मामले में गिरफ्तार संचालिका धनवंती रावत और ग्राहक अमन शेख को न्यायालय में पेश किया गया और आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी की गई। अधिकारियों ने कहा कि आगामी दिनों में इस तरह के मामलों पर सतकर्ता और बढ़ाई जाएगी और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

व्यवस्थाओं का लिया जायजा | संवाद के दौरान खिलाड़ियों ने आयुक्त के समक्ष रखीं अपनी समस्याएं , खिलाड़ियों के हित में लिए बड़े फैसले

शांति नगर दशहरा मैदान का निगम आयुक्त ने किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने आज शांति नगर स्थित दशहरा मैदान का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खेल मैदान की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और वहां अभ्यास कर रहे स्थानीय खिलाड़ियों और आम नागरिकों से संवाद किया।

संवाद के दौरान खिलाड़ियों ने आयुक्त के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं, खिलाड़ियों का कहना था कि वतर्मान में निर्धारित सुरक्षा निधि 02 लाख रुपए अधिक है और ईओआई में वार्षिक किराया राशि अधिक प्राप्त होने पर स्थानीय प्रतिभाओं को मैदान का उपयोग करने में कठिनाई हो सकती है।

खिलाड़ियों और आम नागरिकों को गंभीरता से सुनते हुए आयुक्त ने मौके पर ही उपस्थित कायर्पालन अभियंता अरविंद शर्मा को निर्देशित किया कि मैदान के उपयोग संबंधी नियमावली में आवश्यक संशोधन के लिए महापौर परिषद में

पुनविर्चार की कायर्वाही करें, जिससे किराया दरों और सुरक्षा निधि को तकर्संगत बनाया जा सके, ताकि स्थानीय समितियों और खेल प्रेमियों को इसका भरपूर लाभ मिल सके।

निगम आयुक्त ने स्पष्ट किया कि ह्यरुचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित करने का मुख्य उद्देश्य मैदान के प्रबंधन को व्यवस्थित करना था, जिससे युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं मिल सकें। निगम द्वारा आयुक्त यह भी निर्देशित किया गया कि बड़े स्तर के खेल आयोजनों के लिए मैदान का संधारण शुल्क मात्र 10,000 से अधिक नहीं प्रस्तावित किया जाए, इसी प्रकार मैदान का संधारण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिव्यक्ति मेंटेनेंस शुल्क 250 रुपए मासिक से अधिक नहीं हो, ताकि आयोजन सुगमता से संपन्न हो सकें, साथ ही मैदान के रखरखाव में मदद मिले।

खिलाडियों व लोगों को मिले लाभ

"हमारा लक्ष्य भिलाई की खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच प्रदान करना है। नियमों में संशोधन का प्रस्ताव कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सार्वजनिक संसाधनों का लाभ बिना किसी बाधा के सीधे स्थानीय खिलाड़ियों और आम नागरिकों को मिले।"

राजीव कुमार पाण्डेय, आयुक्त, नगर पालिक निगम भिलाई

सनातन संस्कृति में दान को सर्वोच्च कार्य, शादी की सालगिरह पर देवांगन दंपति ने की देहदान करने घोषणा की

नई दृष्टिबिंदु / 00000

शादी की 50वीं सालगिरह पर, देवांगन दंपति ने अपने शरीर को दान करने की घोषणा की

भिलाई। सनातन संस्कृति में दान को सर्वोच्च कार्य माना गया है, जो न केवल मन को शुद्धि प्रदान करती है बल्की निःस्वार्थ भाव से दुसरों की मदद की भावना जगाती है। दान वास्तु का त्याग नहीं बल्कि करुणा और आत्मा का विस्तार है। ऐसी भावना से अभिभूत होकर मैत्री विहार भिलाई के समाज सेवी पुरानिक राम देवांगन और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती देवयानी देवांगन ने 8 मार्च 2026 को अपने दाम्पत्य जीवन की स्वर्ण जयंती (50 वी) वषगाँठ मनाया। इस अवसर पर दोनों ने शरीर दान करने की घोषणा की है। पुरानिक राम देवांगन ने चर्चा में कहा कि मृत्यु के बाद हम अपने शरीर को राख और मिट्टी के रूप में व्यर्थ कर देते हैं, इसके बजाय हमें इसे समाज सेवा में समर्पित करना चाहिए ताकी देहदान से मृत्यु के बाद इसे प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए चिकित्सा विभाग को सौंपने से, भावी नए डॉक्टरों को सहायक होकर मानवता के लिए हमारा देह कल्याणकारी हो। देवांगन दंपति का कहना है कि हमारा शरीर ईश्वर का एक अनूठा उपहार है, और हम सौभाग्यशाली हैं कि यह लोक कल्याण के उपयोग आ सकती है।

इस अवसर पर विशेष अतिथि अरुण वोरा, पूर्व विधायक दुर्ग ने कहा कि जैसे वृक्ष अपना सर्वस्व दान दे देता है उसी तरह आज पुरानिक देवांगन और श्रीमती देवयानी देवांगन ने देहदान की घोषणा कर मानवता की दिशा में दधीचि के समान आदर्श प्रस्तुत किया है। निसंदेह उनका त्याग समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनेगी। चिकित्सा विभाग से उपस्थित अधिकारी अजय सिंह राजपूत ने प्रमाण पत्र प्रदान करते हुये पुरानिक देवांगन और देवयानी देवांगन की भूरि भूरि प्रशंसा की और कहा यह दान मेडिकल छात्रों की शिक्षा, नई शल्य चिकित्सा, तकनीकी विकास एवं शोध में सहायक होता है। यह निःस्वार्थ नेकी का काम है, जो जिंदगी बाद भी भला करता है। विशिष्ट अतिथि रिकेश सेन विधायक वैशाली नगर ने इस देहदान को समाज के लिए अनुकरणीय आदर्श बताया। दुर्ग के पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल ने देवांगन दम्पत्ति के देहदान को महादान बताया।

ज्ञातव्य हो कि पुरानिक राम देवांगन पाटन नगर के स्व. कलीराम देवांगन के ज्येष्ठ पुत्र हैं। वे अपनी शिक्षा दीक्षा उपरांत मेकॉन इंडिया में सेवा कर, सेवनिवृत्त हुए हैं। उन्होंने सेवा को अपना परम कर्तव्य मानते हुए देवांगन समाज को संगठित करने का संकल्पित प्रयास किया, वे सामाजिक कुरीतियों को दूर कर समाज में व्याप्त विषमताओं को मिटाने का पहल किया। वतर्मान में पुरानिक राम देवांगन, दुर्ग जिला देवांगन समाज के अध्यक्ष हैं।उनके द्वारा दुर्ग नगर में वर्ष 2022 में श्रीमद्भागवत कथा का तथा 2024 में शिव महापुराण कथा का भव्य ऐतिहासिक आयोजन किया था। अनौपचारिक चर्चा में उन्हें यह प्रेरणा कैसे मिली, पूछने पर बताया, प्रगट चार पद धर्म के, कलि महु एक प्रधान। जेन देह विधि दिन्हे, दान करई कल्याण।। धर्म के चार चरण (सत्य, दया, तप और दान) प्रसिद्ध हैं, जिनमें से कलिकाल में एक दानरूपी चरण ही प्रधान हैं. शरीर में आसक्ति न रखते हुए, इसे ईश्वर की भेंट मानकर उपयोग करने में ही मानव जीवन की सार्थकता है। वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष के समय का स्मरण करते हुये हर कदम पर अपनी सहधर्मिणी के सहयोग को सराहा.

इस आयोजन में उपस्थित समाज सेवियों में भूषण देवांगन दुर्ग, प्रेमचंद देवांगन नेहरूनगर, शंकरलाल देवांगन भिलाई, खेमलाल देवांगन मोहलाई, व्यासनारायण देवांगन पाटन, राजेंद्र लिमजे, सोहनलाल देवांगन, यादराम देवांगन, भेदूराम देवांगन, मंगतू राम देवांगन, कमलेश देवांगन, ईश्वर सोनी दुर्ग, खुमान सिंह, मेकॉन के पुराने सहकर्मी, पारिवारिक सदस्य और ईष्ट मित्र उपस्थित थे।

खास खबर

प्रेरणा का मंत्री यादव ने किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महतारी वंदन सम्मेलन का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सतनाम भवन दुर्ग में किया गया। जहां भिलाई स्टील प्लांट के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) व बर्न वार्ड के प्रभारी डॉक्टर उदय की पत्नी प्रेरणा धाबर्डे का सम्मान कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने किया।

प्रेरणा धाबर्डे को यह सम्मान उनके सामाजिक कार्य, महिला बाल विकास परियोजना में सहयोग हेतु तथा दिल्ली में हुई महिला बाल विकास मंत्रालय की बैठक में छत्तीसगढ़ का उचित प्रतिनिधित्व करने तथा फिल्म रमाई में मुख्य भूमिका निभाकर समाज को संदेश देने जैसे प्रमुख योगदान के लिए किया गया। इस समारोह में इस दौरान दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह ,दुर्ग महापौर अलका बघमार और महिला बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी दुर्ग आरके जामुलकर सहित शासकीय अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जेवरा सिरसा में हुआ कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं का विदाई समारोह

दुर्ग। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला जेवरा सिरसा में शनिवार को कक्षा आठवीं के छात्र छात्राओं का विदाई समारोह रखा गया। इस आयोजन में सभी बच्चों ने स्कूल से जुड़ी अपना अनुभव साझा किया। सभी बच्चे ने इस आयोजन के प्रति शिक्षक शिक्षिकाओं का आभार व्यक्त किया साथ ही इस कार्यक्रम में प्रधान पाठक संध्या सेंगर द्वारा बच्चों को पुरस्कार वितरण और परीक्षा संबंधी विशेष जानकारी भी दी गई। सभी शिक्षक ने बच्चों को आशीष प्रदान किए। कार्यक्रम में शिक्षक रामबाई डहरिया, कौशल्या ठाकुर, सीता मनराम, सरिता सोनी, विभु दुबे, यशु भारती सोनी उपस्थित थे।

'कुछ नहीं करने वाली' गृहिणी भी परिवार की असली आधारशिला है : डॉ. अजय आर्य

नारी के योगदान का अभिनंदन : सेवा, शिक्षा और सृजन की प्रतीक महिलाओं का सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैदिक सत्संग समिति, रायपुर की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर दुर्ग शहर की चार प्रतिष्ठित महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों और समाज में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय महिलाओं की उपलब्धियों को सराहा गया तथा उनके योगदान को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया गया। सेवा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाली व्यवसायी हेमा सक्सेना (पत्नी ओजस्वी सक्सेना) को सामाजिक सेवा में उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि हेमा सक्सेना लंबे समय से समाज सेवा के विविध कार्यों में सक्रिय रूप से जुड़ी हुई हैं और जरूरतमंदों की सहायता के लिए निरंतर प्रयासरत रहती हैं।

इस अवसर पर आरती श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक सशक्त साधन है। उन्होंने कहा कि एक महिला के रूप में वे परिवार, करियर और सामाजिक जिम्मेदारियों को साथ लेकर आगे बढ़ने में विश्वास रखती हैं। एक माँ के रूप में उनके ट्विन्स बच्चे उनके जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। उनका उद्देश्य केवल व्यक्तिगत सफलता प्राप्त करना नहीं, बल्कि सेवा भाव के साथ समाज के लोगों की मदद करना, उन्हें प्रेरित करना और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। उन्होंने कहा कि जब महिला शिक्षा, आत्मविश्वास और सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ती है, तो वह न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा बनती है।

समाज सेविका, लेखिका और कवयित्री डॉ. अल्पना त्रिपाठी को भी सम्मानित किया गया। वे महिलाओं के सामाजिक योगदान को रेखांकित करने के लिए विभिन्न माध्यमों से कार्य करती रही हैं। उन्होंने महिलाओं के जीवन, संघर्ष और उपलब्धियों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत करते हुए अनेक काव्य रचनाएँ भी की हैं। शिक्षा के क्षेत्र में लगभग 40 वर्षों तक महत्वपूर्ण योगदान देने वाली शिक्षिका नीता दास को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने लंबे शिक्षण काल में छात्र-छात्राओं को न केवल शिक्षा प्रदान की, बल्कि उन्हें नैतिक मूल्यों और संस्कारों के प्रति भी निरंतर प्रेरित किया। वैदिक सत्संग समिति के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं का समाज के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती ने भी महिलाओं को देश, समाज और परिवार का निर्माता माना है।

समिति के संरक्षक राकेश दुबे ने कहा कि वतर्मान के विज्ञापन युग में महिलाओं को केवल बाहरी रूप और शरीर तक सीमित करके प्रस्तुत किया जा रहा है, जबकि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को देवत्व का अधिष्ठान माना गया है। इसी भावना से हमारे शास्त्रों में 'मातृ देवो भव' का संदेश दिया गया है। समिति के प्रेरक आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि किसी भी रूप में महिलाओं की योग्यता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आज भी कई स्थानों पर गृहिणियों का परिचय यह कहकर दिया जाता है कि वे कुछ नहीं करतीं, जबकि सच्चाई यह है कि परिवार और समाज की मजबूत नींव के पीछे उन्हीं का समर्पण और परिश्रम होता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के आदर्श केवल बाहरी आकर्षण तक सीमित नहीं होने चाहिए, बल्कि वे महिलाएँ भी हैं जिन्होंने दर्शन, अध्यात्म, व्यापार और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सफलता का परचम लहराया है। महिलाएँ न केवल परिवार बल्कि पूरे विश्व को दिशा देने की क्षमता रखती हैं। महर्षि दयानंद का वैदिक दृष्टिकोण यह मानता था कि महिलाएं वंदनीय है। उन्होंने देवताओं को जन्म दिया है।

उन्होंने सभी से आह्वान किया कि महिला दिवस के अवसर पर हम महिलाओं के आत्मसम्मान की रक्षा करने का संकल्प लें और उनके योगदान को विनम्रता के साथ स्वीकार करें। शहरों में महिलाओं को अपेक्षाकृत अधिक अवसर और सम्मान मिल रहा है, किंतु ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में आज भी कई महिलाएँ न्याय और सम्मान से वंचित हैं। सच्चा महिला दिवस तभी होगा जब हम अपने आसपास की बहनों-बेटियों और घरों में काम करने वाली महिलाओं को भी जागरूक कर उनका सम्मान सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर डॉ. अजय आर्य ने वह लिखित पुस्तक मुझको भी जीने की वजह दे दो भेंट की।

विद्युत विभाग की महिला कर्मियों ने धूमधाम से मनाया महिला दिवस

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र की महिला अधिकारियों एवं कमर्चारियों द्वारा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती ऋतु खंडेलवाल उपस्थित रहीं।

श्रीमती खंडेलवाल ने महिलाओं की परिवार, समाज और कार्य स्थल में सामंजस्य स्थापित करते हुए प्रत्येक भूमिका का निर्वहन सफलतापूर्वक करने की सराहना करते हुए कहा कि आज महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित कर रही हैं। उन्होंने सभी महिला कमिर्यों को उनके समर्पण और कायर्कुशलता के लिए बधाई दी। इस गरिमामयी आयोजन में कायर्पालन अभियंता श्रीमती अनसुइया ठाकुर, प्रकाशन अधिकारी श्रीमती माया चंद्राकर, विधि अधिकारी सुश्री रश्मि शर्मा, निज सचिव श्रीमती रमणी राजेंद्रन, सहायक अभियंता श्रीमती वंदना ढवले, प्रोग्रामर सुश्री सफीना निगार, कार्यालय सहायक श्रीमती लिसी बी जार्ज, श्रीमती कुसुम साहू, श्रीमती रुचि वर्मा सहित श्रीमती माया रामटेके, श्रीमती पावर्ती नेताम, श्रीमती सीमा एवं कुमारी रामेश्वरी शामिल रहीं।

कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण पर चर्चा के साथ-साथ मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। विभाग की महिला कमिर्यों ने आपसी सामंजस्य व सहयोग की भावना को साझा किया। अंत में, उपस्थित सभी महिला अधिकारियों ने विभाग की प्रगति में महिलाओं के योगदान को रेखांकित करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन पर हर्ष व्यक्त किया।

एनएचएम कर्मचारियों को नहीं मिला हड़ताल अवधि व फरवरी माह का वेतन, छाई है नाराजगी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-भिलाई

छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के कर्मचारियों को अब तक हड़ताल अवधि के 36 दिनों का वेतन और फरवरी माह का वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से वेतन भुगतान में हो रही देरी के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार एनएचएम कर्मचारियों द्वारा पूर्व में 33 दिन, 2 दिन और 1 दिन की हड़ताल की गई थी, कुल मिलाकर 36 दिनों की हड़ताल अवधि का वेतन अभी तक जारी नहीं किया गया है। कमर्चारियों का कहना है कि अप्रैल से नया वित्तीय सत्र शुरू होने वाला है, ऐसे में यदि मार्च माह तक हड़ताल अवधि का वेतन जारी नहीं किया गया तो यह राशि अटकने की आशंका है। कर्मचारियों ने यह भी बताया कि राज्य शासन द्वारा पहले अन्य विभागों के हड़ताली कर्मचारियों को हड़ताल अवधि का वेतन दिया जा चुका है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग में 24 घंटे सेवा देने वाले एनएचएम कर्मचारियों को अब तक इसका लाभ नहीं मिला है।

इसके साथ ही एनएचएम में कार्यरत तीन और पांच वर्ष पूर्ण कर चुके कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि भी अब तक नहीं की गई है। कर्मचारियों के अनुसार सामान्यतः उनका वेतन हर माह 15 से 24 तारीख के बीच जारी होता है, लेकिन वेतन भुगतान में लगातार हो रही देरी के कारण परिवार का खर्च चलाने में कठिनाइयां आ रही हैं। बताया गया कि पिछले माह जनवरी का वेतन 16 फरवरी को जारी किया गया था, जिससे कर्मचारियों में पहले से ही नाराजगी थी। अब फरवरी माह का वेतन और हड़ताल अवधि का भुगतान लंबित होने से कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। कर्मचारियों ने शासन से जल्द से जल्द वेतन भुगतान की मांग की है।

देवांगन समाज का शपथ ग्रहण व महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

देवांगन समाज दुर्ग शहर ब्लॉक द्वारा गयानगर स्थित देवांगन सामाजिक भवन में होली मिलन समारोह, शपथ ग्रहण समारोह एवं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व महापौर एवं अध्यक्ष दुर्ग शहर जिला कांग्रेस कमेटी धीरज बाकलीवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शहर ब्लॉक देवांगन समाज के अध्यक्ष राकेश देवांगन ने की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रेमलता साहू (छाया महापौर), संजय कोहले (नेता प्रतिपक्ष), दीपक साहू (पार्षद), गोविंद देवांगन (पार्षद), भूषण देवांगन (संरक्षक), अशोक देवांगन (संरक्षक), ज्ञानदास बंजारे (पूर्व पार्षद), निकिता मिलिंद (महामंत्री कांग्रेस कमेटी), बिजेंद्र भारद्वाज (पूर्व पार्षद), पायल पाटिल (पार्षद), मनीषा सोनी (पार्षद), श्रीमती दीपक देवांगन (पूर्व पार्षद) एवं ममता देवांगन (प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा) सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत गयानगर मंडल एवं मोतीपारा मंडल के नवनियुक्त पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह से हुई। इसके पश्चात अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नागरिक सहकारी बैंक की नव निर्वाचित उपाध्यक्ष श्रीमती नीलू देवांगन का सम्मान किया गया। शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह के बाद होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। नगाड़ों की थाप, फूल और गुलाल के साथ सभी ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान देवांगन समाज की महिलाओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिसने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

कार्यक्रम में देवांगन समाज महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता देवांगन के नेतृत्व में श्रीमती खिलेश्वरी, रिंकी, श्रीमती हेमा, श्रीमती सरस्वती, श्रीमती प्रतिभा, श्रीमती संतोषी, श्रीमती ईश्वरी, श्रीमती प्रेमलता, श्रीमती ताराबाई, श्रीमती राधा देवांगन एवं श्रीमती दीपिका देवांगन सहित अन्य महिलाओं ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति एवं आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का मंच संचालन समाज के सचिव दुष्यंत देवांगन ने किया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारी भूषण देवांगन (कोषाध्यक्ष), अरुण देवांगन (उपाध्यक्ष), अश्वनी देवांगन (सहसचिव), हेमंत देवांगन, जिर्तेंद्र देवांगन, कैलाश महाजन, रमेश देवांगन, ललित देवांगन, मनोज देवांगन, खोरबाहरा देवांगन, पवन देवांगन, हरिप्रसाद देवांगन, रमन देवांगन, दीपक देवांगन, कीर्ति कुमार देवांगन, रामनारायण देवांगन, संजय देवांगन, आशीष देवांगन सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत मिशन : जिले में स्वच्छाग्राही दीदियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशन एवं मुख्य कायर्पालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे के मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत जिला दुर्ग के जनपद पंचायत दुर्ग, धमधा एवं पाटन में स्वच्छाग्राही दीदियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में लगभग 300 स्वच्छाग्राही शामिल हुए। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ देवी दास निमजे (समर्थन संस्था) द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान स्वच्छाग्राहियों को घरों से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे के प्रबंधन, कचरे के पृथक्कीकरण, समूह के माध्यम से आय अर्जित करने और गांवों में स्वच्छता बनाए रखने के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण में बताया गया कि घरों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग कर प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट में भेजा जाए तथा गांवों में प्रतिदिन घर-घर कचरा संग्रहण कर उसे व्यवसायिक मॉडल के रूप में विकसित किया जाए। साथ ही बाजार मूल्य पर कबाड़ विक्रय कर समूह की आय बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। स्वच्छाग्राहियों को यह भी समझाइश दी गई कि घरों में ही गीले और सूखे कचरे का पृथक्कीकरण किया जाए तथा प्लास्टिक पॉलिथिन को जलाने पर लगे प्रतिबंध का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। इसके अलावा सुरक्षा का ध्यान रखते हुए असंगठित कार्ड बनवाने एवं प्रतिमाह स्वास्थ्य जांच कराने के लिए भी प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में रूपेश पाण्डेय (मुख्य कायर्पालन अधिकारी, जनपद पंचायत दुर्ग), किरण कुमार कौशिक (मुख्य कायर्पालन अधिकारी, जनपद पंचायत धमधा) तथा जागेन्द्र कुमार साहू (मुख्य कायर्पालन अधिकारी, जनपद पंचायत पाटन) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर कीर्ति नायक (अध्यक्ष, जनपद पंचायत पाटन) का विशेष योगदान रहा। वहीं प्रिया साहू (सभापति स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति सह सदस्य जिला पंचायत दुर्ग) ने सभी ग्रामों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए प्रेरित किया। श्रद्धा साहू (सभापति जिला पंचायत दुर्ग) ने प्रत्येक ग्राम में बर्तन बैंक के संचालन पर जोर देते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक एवं डिस्पोजल के उपयोग को कम करने की बात कही। कार्यक्रम में सरस्वती बंजारे (अध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग) ने सभी गांवों में ओडीएफ प्लस की स्थिति को बनाए रखने का संदेश दिया।

कर्मचारी नगर में जागृति महिला समिति ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

दुर्ग। कर्मचारी नगर स्थित जागृति महिला समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े ही उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की जानकारी समिति की अध्यक्ष सविता रजनीश वर्मा ने दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग की प्रथम नागरिक महापौर अलका बाघमार उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता नीता जैन (अध्यक्ष, जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग) ने की। वहीं विशेष अतिथि के रूप में रत्ना नारमदेव और श्वेता बाकलीवाल उपस्थित रहीं। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में ऊंचाइयों को छू रही हैं। इसमें परिवार, समाज और सहयोगियों का योगदान महत्वपूर्ण होता है, लेकिन सबसे बड़ा योगदान महिलाओं की अपनी योग्यता, आत्मविश्वास और पहचान बनाने की क्षमता का होता है। मुख्य अतिथि महापौर अलका बाघमार ने कहा कि यदि एक महिला अपने परिवार को सही दिशा दे सकती है, तो वह समाज और देश को भी सही दिशा देने की क्षमता रखती है।

कार्यक्रम के दौरान जागृति महिला समिति द्वारा विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रश्नोत्तरी, हाउजी और एक मिनट गेम शामिल थे। इन प्रतियोगिताओं में उपस्थित महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में समिति की सदस्य टी पदमा, डी रजनी, अनु, मिनाती, तृप्ति, सोनाली, पूणिर्मा, अनीता, वाई रजनी, रजनी जोशी, इस्मिता, विशाखा, हेमलता, राधा वर्मा, इंदु, अनिर्का, विजयलक्ष्मी, राधिका, सुलोचना, भारती, संगीता, सीमा और जयारानी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में जागृति महिला समिति की ओर से महिला दिवस के उपलक्ष्य में महापौर अलका बाघमार एवं अन्य अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

अवैध शिकार के खिलाफ वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, सात आरोपी हुए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कांकेर वनमंडल में वन्यजीवों के अवैध शिकार और तस्करी के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत न्यायालय के आदेश पर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 मार्च 2026 की सुबह राज्य स्तरीय उड़नदस्ता को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। सूचना मिलने पर कांकेर वन विभाग ने तत्काल टीम गठित कर विभिन्न स्थानों पर जांच और घेराबंदी की। जांच के दौरान महेंद्र कोड़ोपी के घर के पीछे बाड़ी में दो जंगली सुअरों (एक नर 74 किलोग्राम

और एक मादा 70 किलोग्राम) को पैरा जलाकर भुना जा रहा था। पूछताछ में बताया गया कि यह मांस ग्राम जुनवानी निवासी प्रकाश मंडावी से 300 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदा गया था और इसे वाहन के माध्यम से देवकोंगेरा लाया गया था। वन विभाग ने मौके से जंगली सुअर का मांस और अन्य सामग्री जब्त कर वन अपराध प्रकरण दर्ज किया।

इसी दौरान मिली एक अन्य सूचना पर वन विभाग की टीम ने ग्राम माटवाड़ा (मोदी) के पास घेराबंदी कर पैशन प्रो मोटरसाइकिल (सीजी 19-बी-8847) को रोका। वाहन में सवार विष्णु सलाम और कृष्णा कोमरा एक जीवित मादा जंगली सुअर (लगभग 53 किलोग्राम) को चारों पैर और मुंह बांधकर ले जा रहे थे। पूछताछ में उन्होंने बताया कि यह जंगली सुअर ग्राम जुनवानी निवासी प्रकाश मंडावी से खरीदा गया था। वन विभाग ने जंगली सुअर को जब्त कर आरोपियों के खिलाफ वन अपराध प्रकरण दर्ज किया। इसके अलावा ग्राम जुनवानी में प्रकाश मंडावी के घर के पास भी वन विभाग की टीम ने छापेमारी की, जहां दो जंगली सुअरों को काटने का मामला सामने आया। मौके से जंगली सुअर के सिर और मांस के अन्य हिस्से बरामद किए गए। इस मामले में भी संबंधित आरोपियों के खिलाफ वन अपराध दर्ज किया गया।

वन विभाग ने सभी मामलों में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों को 8 मार्च 2026 को न्यायालय कांकेर के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई से क्षेत्र में वन्यजीवों के अवैध शिकार और तस्करी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। इस पूरी कार्रवाई में कांकेर वनमंडल के वन परिक्षेत्र अधिकारी कांकेर, वन परिक्षेत्र नरहरपुर के अधिकारी-कर्मचारी तथा मुख्य वन संरक्षक कांकेर के उड़नदस्ता दल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खास खबर

मुख्यमंत्री साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित स्पीकर हाउस पहुंचकर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से सौजन्य मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने डॉ. रमन सिंह के स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस अवसर पर जगदलपुर विधायक किरण देव उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय से नवर्निवाचित राज्यसभा सदस्य लक्ष्मी वर्मा ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से छत्तीसगढ़ विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय कक्ष में नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्य श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रीमती लक्ष्मी वर्मा को राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि संसद के उच्च सदन राज्यसभा में छत्तीसगढ़ की जनभावनाओं, विकास से जुड़े मुद्दों तथा आमजन की अपेक्षाओं को सशक्त रूप से रखने में श्रीमती लक्ष्मी वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस अवसर पर विधायक किरण सिंह देव, विधायक अनुज शर्मा, राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित थे।

वन भूमि पर अवैध कब्जे के प्रयास पर वन विभाग की कार्रवाई, जेसीबी मशीन जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वन भूमि पर अवैध कब्जे के प्रयास को रोकते हुए वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई कर एक जेसीबी मशीन जब्त की है। यह कार्रवाई जशपुर जिले के वन परिक्षेत्र बगीचा अंतर्गत ग्राम टांगरपानी के दालढोढ़ी क्षेत्र में की गई।

वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 09 मार्च को दूरभाष के माध्यम से सूचना मिली कि दालढोढ़ी नामक स्थान पर जेसीबी मशीन से वन भूमि में खुदाई कर खेत बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सूचना मिलते ही वनमण्डलाधिकारी जशपुर शशि कुमार के निर्देश पर वन परिक्षेत्राधिकारी बगीचा सुश्री यशस्वी मौर्य (प्रशिक्षु भा.व.से.) वन अमले के साथ मौके पर पहुंचीं और जांच की। जांच के दौरान कक्ष क्रमांक पी-1331 में एक जेसीबी मशीन से वन भूमि में मिट्टी की खुदाई कर खेत तैयार करने का कार्य किया जा रहा था। मौके पर मौजूद जेसीबी चालक फुलचंद उरांव, पिता मंगलेश्वर उरांव, निवासी ग्राम गुड़दरी, जिला गुमला (झारखंड) से पूछताछ की गई और वैध दस्तावेज मांगे गए। चालक ने बताया कि मशीन के मालिक ने उक्त भूमि को अपनी निजी भूमि बताकर

खेत निर्माण के लिए खुदाई करने को कहा था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने वन अपराध प्रकरण क्रमांक 21487/25 09 मार्च को दर्ज कर उपयोग में लाई जा रही जेसीबी मशीन को जब्त कर बगीचा निस्तार डिपो में सुरक्षित रख दिया है। प्रकरण की विस्तृत जांच की जा रही है और दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण, खुदाई या निर्माण कार्य न करें। ऐसी गतिविधियां वन संरक्षण अधिनियम और भारतीय वन अधिनियम के अंतर्गत दंडनीय अपराध हैं। यदि कहीं इस प्रकार की गतिविधि की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तुरंत वन विभाग को दें, ताकि समय पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

8 किलोग्राम गांजा एवं एक ट्रक जब्त

महासमुंद जिले में आबकारी विभाग की टीम द्वारा 18 .285 किलोग्राम अवैध गांजा तथा एक 14 चक्का ट्रक जब्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एनएच-53 स्थित बैतारी के पास वाहनों की जांच की जा रही थी। इस दौरान आबकारी उपनिरीक्षक मिर्जा जफर बैग, हृदय कुमार त्रिपुड़े, नीरज कुमार साह तथा अनिल कुमार झरिया की संयुक्त टीम ने एक 14 चक्का ट्रक को रोककर तलाशी ली।

तलाशी के दौरान ट्रक में सवार आरोपी ईरफान गौरी के पास से 18 .285 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (बी) (पप) (सी) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। आबकारी विभाग द्वारा आरोपी को रिमांड पर लेकर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

राज्यपाल ने 'GSTAT लिटिगेशन गाइड' ई-पुस्तक का किया विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका ने गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल) पर केंद्रित ई-पुस्तक 'GSTAT लिटिगेशन गाइड' का लोक भवन, रायपुर में विमोचन किया। यह डिजिटल कृति करदाताओं, अधिवक्ताओं तथा कर-प्रशासकों को समर्पित है और इसे सारस्वत एसोसिएट्स के वेब-पोर्टल www.cggst.com पर निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है।

यह ई-पुस्तक अधिवक्ता विवेक सारस्वत द्वारा लिखी गई है, जिन्हें छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण 2022 एवं बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इस पुस्तक के सह-लेखक के रूप में अधिवक्ता बीना सिंग गौतम, आस्था तिवारी तथा प्रियांश शर्मा का योगदान भी उल्लेखनीय है। राज्यपाल रमेन डेका ने पुस्तक की भूमिका में लिखा है कि न्याय तक पहुंच लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है और विधि-व्यवस्था उसकी सबसे आवश्यक संस्था है। उन्होंने कहा कि गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल की स्थापना भारत की राजकोषीय व्यवस्था में एक ऐतिहासिक कदम है, जो देशभर के करदाताओं को त्वरित, सुव्यवस्थित और समयबद्ध न्यायिक उपचार प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने आगे कहा कि यह मार्गदर्शिका CGST अधिनियम 2017, CGST (प्रक्रिया) नियम 2017 तथा GSTAT (प्रक्रिया) नियम 2025 के प्रावधानों को स्पष्ट और सटीक ढंग से प्रस्तुत करती है। पुस्तक में पूर्व-जमा (प्री-डिपोजिट) की गणना, अंतरवर्ती आवेदन (इंटरलॉक्यटरी एप्लीकेशंस) और ई-फाइलिंग पोर्टल जैसे जटिल विषयों को चरणबद्ध तरीके से समझाया गया है।

इस ई-पुस्तक में सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स एक्ट, 2017 से जुड़े प्रावधानों का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। साथ ही प्री-डिपॉजिट की गणना, अंतरवर्ती आवेदनों की प्रक्रिया, और ई-फाइलिंग पोर्टल के उपयोग जैसे विषयों को सरल भाषा में समझाया गया है। 'फ्लिप पैटर्न' के माध्यम से प्रस्तुत यह मार्गदर्शिका कर-कानून के क्षेत्र में कार्यरत अधिवक्ताओं, कर-सलाहकारों और करदाताओं के लिए एक उपयोगी संदर्भ ग्रंथ के रूप में सामने आई है।

केन्द्रीय जेल रायपुर के बंदियों द्वारा निर्मित नमकीन उत्पादों का विधानसभा सदस्यों ने लिया आनंद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में आज एक अनोखी पहल देखने को मिली, जहां केन्द्रीय जेल रायपुर में निरुद्ध बंदियों द्वारा संचालित 'आस्था कैफे' द्वारा तैयार किए गए नमकीन उत्पादों का स्वाद विधानसभा के सदस्यों ने लिया। बंदियों द्वारा बनाए गए इन उत्पादों की गुणवत्ता और स्वाद की सभी ने सराहना की।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की पहल पर आज विधानसभा में जेल में निरुद्ध लोगों द्वारा तैयार उत्पादों के प्रदर्शन एवं वितरण किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि जेलों को अब केवल दंड के स्थान के रूप में नहीं, बल्कि सुधार और पुनर्वास के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए ऐसे प्रशिक्षण और उत्पादन कार्य बेहद महत्वपूर्ण हैं। केन्द्रीय जेल रायपुर में बंदियों को विभिन्न प्रकार के कौशल प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं, जिससे वे अपनी सजा पूरी होने के बाद सम्मानजनक जीवन जी सकें। नमकीन जैसे उत्पादों के निर्माण से न केवल उनकी कार्यकुशलता बढ़ रही है, बल्कि आत्मविश्वास भी मजबूत हो रहा है।

उन्होंने जेल प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां बंदियों के व्यक्तित्व विकास और पुनर्वास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विधानसभा में जनप्रतिनिधियों द्वारा इन उत्पादों की सराहना से बंदियों को भी नई प्रेरणा मिलेगी।

नगर निगम जोन 6 ने भाठागांव-भर्रीखार में अवैध प्लाटिंग रोकने कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर नगर पालिक निगम के नगर निवेश विभाग ने भाठागांव-भर्रीखार क्षेत्र में लगभग 1 एकड़ निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। निगम आयुक्त विश्वदीप के आदेश और जोन 6 कमिश्नर हितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माणाधीन अवैध मुरूम रोड को जेसीबी मशीन से काटकर तुरंत रोक लगा दी। जानकारी के अनुसार, नगर निगम जोन 6 के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अवैध प्लाटिंग की जानकारी मिलते ही स्थल पर निरीक्षण किया। कार्यपालन अभियंता दिनेश सिन्हा, सहायक अभियंता आशीष श्रीवास्तव, उपअभियंता सागर ठाकुर और अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति में अवैध निर्माण रोकने का कार्य किया गया।

अवैध मुरूम रोड को काटने के साथ-साथ वहां का आवागमन भी अवरुद्ध किया गया, ताकि आगे कोई निर्माण या भूमि अतिक्रमण न हो सके। नगर निगम ने बताया कि यह कार्रवाई निगम की नीतियों और नगर नियोजन नियमों के तहत की गई है। अवैध प्लाटिंग और मुरूम रोड निर्माण से आसपास के क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण और अनियमित निर्माण की संभावना बढ़ती है। ऐसे मामलों को रोकना नगर निगम की प्राथमिकता है ताकि भूमि उपयोग और निर्माण कार्य नियमानुसार हो। नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की त्वरित कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि निगम की टीम नियमित निरीक्षण और फील्ड वॉच के जरिए शहर में अवैध प्लाटिंग और निर्माण को रोकने का काम कर रही है।

इसके साथ ही निगम ने स्थानीय लोगों से भी अनुरोध किया है कि यदि वे किसी अवैध प्लाटिंग या निर्माण को देखें, तो तुरंत अधिकारियों को सूचित करें। भाठागांव-भर्रीखार में यह कार्रवाई यह संदेश देती है कि नगर निगम अवैध निर्माण और प्लाटिंग को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं करेगा। अधिकारियों के मुताबिक, ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई से भूमि अतिक्रमण रोकने में मदद मिलती है और शहर की नियोजित विकास प्रक्रिया प्रभावित नहीं होती। नगर निगम के निरीक्षण और कार्रवाई से यह भी स्पष्ट हुआ कि तकनीकी और मानव संसाधन का सही उपयोग कर किसी भी अवैध निर्माण को समय रहते रोका जा सकता है। निगम अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी ऐसे प्रयास लगातार जारी रहेंगे और शहर में नियमानुसार विकास कार्य सुनिश्चित किए जाएंगे।

ईको-पर्यटन की दिशा में बड़ा कदम : धमनी में नौकाविहार सुविधा

महानदी तट स्थित ईको-पर्यटन ग्राम धमनी में शुरू हुई नई सुविधा, वन प्रबंधन समितियों और स्थानीय युवाओं के लिए खुले रोजगार के नए अवसर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में प्रकृति आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय समुदायों की आजीविका सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए वनमण्डल बलौदाबाजार अंतर्गत ईको-पर्यटन ग्राम धमनी में नौकाविहार सुविधा का शुभारंभ किया गया। महानदी के रमणीय तट पर शुरू की गई इस नई सुविधा से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलने के साथ-साथ वन प्रबंधन समितियों और स्थानीय ग्रामीणों के लिए आय के नए अवसर भी विकसित होंगे।

वनमण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील ने बताया कि ईको-पर्यटन गतिविधियाँ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और स्थानीय समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जनसहभागिता के माध्यम से प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण को सुनिश्चित करते हुए धमनी क्षेत्र को एक आदर्श ईको-पर्यटन ग्राम के रूप में विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि वन प्रबंधन समितियों की आजीविका को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ईको-पर्यटन गतिविधियों को चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जा रहा है। धमनी को एक मॉडल ईको-विलेज के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य जारी है, जहाँ प्रकृति आधारित पर्यटन की विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इसके साथ ही पर्यटकों के ठहरने के लिए भी बेहतर व्यवस्थाएँ विकसित की जा रही हैं, जिससे प्राकृतिक वातावरण के बीच पर्यटन का अनुभव और अधिक आकर्षक व यादगार बनाया जा सके।

महानदी के तट पर स्थित धमनी का प्राकृतिक सौंदर्य लंबे समय से पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता रहा है। हरियाली से आच्छादित वातावरण, शांत नदी तट और मनोहारी दृश्यावलियाँ इस क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत संभावनाशील बनाती हैं। इन्हीं संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए यहां ईको-पर्यटन गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है। नौकाविहार सुविधा प्रारंभ होने से अब पर्यटक महानदी की शांत लहरों के बीच नौकायन का आनंद ले सकेंगे, जिससे क्षेत्र को पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

ईको-पर्यटन गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। नौकाविहार संचालन, पर्यटकों के मार्गदर्शन, स्थानीय हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पादों की बिक्री जैसी गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों की आय में वृद्धि होगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी और स्थानीय समुदायों की भागीदारी से पर्यटन का सतत विकास सुनिश्चित होगा।

वन विभाग द्वारा इस पूरे क्षेत्र का विकास प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और उनके सतत उपयोग को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है, ताकि पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके। इस अवसर पर परिक्षेत्र अधिकारी बलौदाबाजार प्रखर नायक, वन प्रबंधन समितियों के सदस्य, स्थानीय युवा तथा वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए इसे आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक सहयोग का संकल्प व्यक्त किया। धमनी में शुरू हुई नौकाविहार सुविधा न केवल पर्यटन को नई दिशा देगी, बल्कि स्थानीय समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण और प्रकृति संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने का एक प्रेरणादायक उदाहरण भी बनेगी।

रसोई गैस की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने अधिकारियों को निर्देश : एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि रसोई गैस की उपलब्धता को लेकर आमजन को किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एलपीजी के साथ ही पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में रसोई गैस की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को गैस एजेंसियों के स्टॉक की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा आपूर्ति व्यवस्था पर सतत नजर रखने को कहा गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी निर्देश दिए हैं कि यदि कहीं कालाबाजारी या अनियमितता की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कारर्वाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकता के अनुसार ही रसोई गैस की बुकिंग करें। उन्होंने कहा कि सरकार नागरिकों को आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सतर्क है।

संपादकीय

बिहार की राजनीति में बदलाव का संदेश क्या है

बिहार की राजनीति में ऐसे बदलाव के बारे में कभी जदयू के नेताओं ने सोचा नहीं था लेकिन आज ऐसा बदलाव हो चुका है, यह बिहार की राजनीति की सचाई है और इससे कोई इंकार नहीं कर सकता। नीतीश कुमार राज्यसभा के प्रत्याशी के रूप में नामांकन भर चुके हैं। यानी यह तय हो चुका है कि अब दिल्ली की राजनीति करेंगे और उनके पुत्र निशांत राज्य की राजनीति करेंगे। इसके लिए उनकी जदयू में एंट्री कराई जा चुकी है। नीतीश कुमार की दिल्ली की राजनीति में क्या भूमिका होगी यह अभी साफ नहीं है। इसी के साथ ही उनके पुत्र की बिहार की राजनीति में क्या भूमिका होगी यह भी बहुत साफ नहीं है। कोई कह रहा है कि उनको डिप्टी सीएम बनाया जाएगा कोई कहता है कि उनको मंत्री बनाया जाएगा।

बिहार में नीतीश कुमार के दिल्ली जाने को लेकर पार्टी के लोगों ने विरोध किया है, माना जाता है कि नीतीश कुमार को बिहार से हटाने के लिए भाजपा ने यह सब किया है। इससे जदयू में भाजपा को लेकर भी कई जगह लोगों ने नाराजगी जाहिर की है कि भाजपा जदयू को कमजोर करने के लिए नीतीश कुमार को योजना बनाकर बिहार से हटाना चाहती है ।सीएम आवास में हुई बैठक में विधायकों ने नीतीश कुमार से कहा भी था कि वह उनके दिल्ली जाने के फैसले से मर्माहत हैं ।सभी विधायकों ने बैठक मे नीतीश कुमार से निशांत को सक्रिय राजनीति में लाने की मांग की थी तब नीतीश कुमार ने तो कुछ नहीं कहा था लेकिन जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि निशांत सक्रिय राजनीति में आएंगे। नीतीश कुमार तो कह नहीं सकते थे क्योंकि वह हमेशा परिवारवाद को बढ़ावा देने के खिलाफ रहे हैं। पार्टी नेताओं ने मांग की है और निशांत ने जदयू की सदस्यता ली है तो यहां नीतिश कुमार कह सकते हैं कि निशांत ने तो पार्टी नेताओं के कहने पर पार्टी की सदस्यता ली है। यह परिवारवाद को बढ़ावा देना नहीं है।

कुछ लोग पार्टी के लोगों को यह कहकर भड़का रहे थे कि नीतीश कुमार को भाजपा योजना बनाकर बिहार से हटा रही है। जैसे राबड़ी देवी का बयान आया था कि उन्होंने नीतीश कुमार को सलाह दी थी कि वह बिहार न छोड़ें। उन्होंने कहा था नीतीश कुमार को जबरदस्ती बिहार से हटाया जा रहा है ।भाजपा उन्हे बिहार से भगा रही है ।नीतीश कुमार को बिहार नहीं छोड़ना चाहिए ।पार्टी के भीतर भाजपा के प्रति गुस्से को खत्म करने के लिए नीतीश कुमार को बैठक में कहना पड़ा कि वह अपनी मर्जी से राज्यसभा में जा रहे है और वह दिल्ली से भी पार्टी की खोजखबर लेते रहेंगे। जदयू के लोगों का गुस्सा तो समझ में आता है कि उनके नेता के दिल्ली में रहने से पार्टी राज्य में कमजोर हो सकती है लेकिन लालू परिवार का मना करना कई लोगों को समझ नहीं आता है कि वह क्यों चाहता है कि नीतीश कुमार बिहार में ही रहें।

इस बात की एक वजह तो यह हो सकती है कि नीतीश कुमार के रहने से राज्य में भाजपा कभी इतनी मजबूत नहीं हुई कि वह अकेले दम पर सरकार बना सके यानी भाजपा नीतीश कुमार के रहने राज्य में कमजोर बनी रहती है। लालू परिवार यही चाहता है कि भाजपा बिहार में कमजोर रहे, भाजपा राज्य में मजबूत होती है तो राज्य में वह अकेले दम पर सरकार बना सकती है। ऐसे में पहले जो होता था कि नीतिश कुमार जिधर उसी की सरकार बनती थी वैसी स्थिति नीतीश कुमार के न रहने पर राज्य में बनने वाली नहीं है यानी नीतीश कुमार के रहने पर लालू परिवार को बहुमत न मिलने पर सरकार बनने की संभावना तो रहती है नीतीश कुमार के दिल्ली जाने से यह संभावना खत्म होती है और नीतीश कुमार के पाला बदलने की गुंजाइश भी खत्म होती है। जहां तक नीतीश कुमार के राजनीतिक जीवन का सवाल है तो जब चुनाव हुए तब ही माना जा रहा था कि नीतीश कुमार की उमर व सेहत को देखते हुए अब राज्य की राजनीति से अलग हो जाना चाहिए। लेकिन चुनाव उनके नाम से लड़ा गया था इसलिए कुछ दिन उनके सीएम रहने के बाद ही नीतीश कुमार को बिहार से हटाकर दिल्ली भेजने का काम हो सकता था और यह काम अब हो रहा है।

इसके लिए नीतीश कुमार को भाजपा ने कैसे तैयार किया है,यह बात चकित करने वाली है। समझा जाता है कि नीतीश कुमार को हर पिता की तरह अपने पुत्र के राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंता है, वह सीएम रहते अपने पुत्र को राजनीति में लाते तो उनकी आलोचना होती कि उनका परिवारवाद का विरोध नकली था। अपने पुत्र के राजनीतिक भविष्य को लेकर वह लालू परिवार पर शायद उतना भरोसा नहीं करते हैं जितना भाजपा पर करते हैं यही वजह है कि वह भाजपा पर भरोसा कर दिल्ली जाने को तैयार है और आश्वस्त है कि बिहार में भाजपा के रहते उनके पुत्र का राजनीतिक भविष्य को लेकर कोई खतरा नहीं है। कुल मिलाकर बिहार की राजीनति में बदलाव का संदेश यह है कि नीतीश कुमार को भाजपा पर लालू परिवार से ज्यादा भरोसा है और वह मानते हैं कि बिहार व उनके पुत्र के लिए भाजपा जो करेगी अच्छा करेगी।

सू- दोकू क्र.338

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.337 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

सामूहिक शक्ति : पूरी टीम ने मिलकर वर्ल्ड कप को संभव बनाया

सामूहिक शक्ति यह एक खतरनाक कॉम्बिनेशन है। गौतम गंभीर कभी मुस्कुराते नहीं हैं। सूर्य कुमार यादव हमेशा मुस्कुराते रहते हैं। मिस्टर स्माइल और मिस्टर नो-स्माइल मिलकर अपनी क्रिकेट स्ट्रेटेजी में एक तरह का धोखा और गहराई पैदा करते हैं जिसका विरोधी टीम मुकाबला नहीं कर पाती, और उन्हें मैदान में बड़बड़ाने के लिए छोड़ देती है। बहुत, बहुत लंबे समय के बाद और भारतीय इतिहास में पहली बार, एक टीम जिसे जीतने की फेवरेट माना जा रहा था, उसने वर्ल्ड कप जीता। और यह शानदार कामयाबी उनके सुपरस्टार्स—विराट कोहली और रोहित शर्मा के बिना हासिल हुई। मैं इस जीत को 1983 से भी ज़्यादा मानता हूँ, जब कपिल की टीम ने फाइनल में अजेय वेस्ट इंडीज को सभी मुश्किलों के बावजूद बुरी तरह हराया था। अपने मैदान पर खेलना, सुपरस्टार्स के बिना खेलना, और 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीदों के सुपरनैचुरल प्रेशर के साथ फेवरेट होने के एक्स्ट्रा प्रेशर के साथ खेलना, इसके लिए सुपरह्यूमन कोशिशों की जरूरत थी, और इस टीम ने इसे आम लोगों और रेगुलर क्रिकेटरों के साथ बहुत आसानी से कर दिखाया।

अहमदाबाद में हार के बाद भारत का व्हाइट-बॉल में दबदबा पूरा हुआ और यह तब हुआ जब टीम को गौतम गंभीर और सूर्य के यादव लीड कर रहे थे, दोनों ने अपने करियर में अपने टीममेट्स के बीच सुपर स्टारडम की कमी का सामना किया। गौतम उस टीम के मेंबर थे जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीरेंद्र सहवाग और वीवीएस लक्ष्मण जैसे ऑल-टाइम ग्रेट बैट्समैन थे, जो किसी भी ग्रेट टीम में जगह बना सकते थे। गौतम एक फाइटर और अच्छे बैट्समैन थे, लेकिन उन्हें कभी भी अपनी टीम के ग्रेट्स के बराबर नहीं आंका गया। वह हिम्मती थे और उस टीम में टिके रहे। सूर्या देर से खिले। उन्हें 30 साल की उम्र में मौका मिला और ळ20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के कैप्टन होने के बावजूद, वह टेस्ट या वन-डे टीम में रेगुलर नहीं बन पाए। वह बहुत इनोवेटिव हैं। इंडियन कॉन्टेक्स्ट में, वह एक रेवोल्यूशनरी ळ20 बैट्समैन हैं जिन्होंने मैग्नेटिक टच और हिम्मत के साथ स्ट्रोक-मेकिंग को फिर से डिफाइन किया है, लेकिन उन्हें हमेशा एक वन-डाइमेंशनल प्लेयर माना जाएगा, जो अपने जबरदस्त टैलेंट के बावजूद, बाकी दो फॉर्मेट में अपनी जगह पक्की नहीं कर सके। इस तरह, मिस्टर स्माइल और मिस्टर नो स्माइल, उन कमजोर खिलाड़ियों का दुख और दर्द शेयर करते हैं जिन्हें अपने समय के सबसे बड़े बल्लेबाजों के सामने कमतर दिखाया गया।

कोई हैरानी नहीं कि जब राहुल द्रविड़ के बाद इंडियन टीम गौतम को सौंपी गई, तो उनके साइकोलॉजिकल पहनावे ने दुनिया को यह साबित करने का फैसला किया कि सुपरस्टार और सेलिब्रिटी क्रिकेटरों के दायरे से बाहर भी एक और दुनिया है। वह शुरू में ही लड़खड़ा गए। उन्हें विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ संघर्ष करना पड़ा। वह उनकी मौजूदगी में कभी सहज नहीं थे; वह अभी भी टेस्ट और वन-डे फॉर्मेट में अपनी टीम बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह ळ20 में सफल रहे क्योंकि उन्होंने सूर्या के साथ वही दर्द और समझ शेयर की, और दोनों ने ऐसे खिलाड़ियों को चुना जिनका रन एवरेज और विकेट लेने की काबिलियत भले ही बहुत ज़्यादा न हो, लेकिन जो उनकी क्रिकेट फिलॉसफी में फिट बैठते हैं और उनके नजरिए के हिसाब से खेलते हैं। आमने-सामने तुलना करें तो, यह टीम शायद क्लाइव लॉयड की सबसे बड़ी टीमों से मुकाबला न कर पाए, जिन्होंने 1983 में लॉर्ड्स में कपिल के हाथों हारने से पहले लगातार दो वर्ल्ड कप जीते थे, या ऑस्ट्रेलियाई टीमों से जिन्होंने 1999 और 2003 में लगातार दो वर्ल्ड कप जीते थे, जिनकी लीडरशिप महान स्टीव वॉ और रिकी पोंटिंग ने की थी। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलियाई दोनों टीमों में कुछ ऑल-टाइम महान खिलाड़ी थे। लॉयड और वॉ और पोंटिंग की टीमों को वर्ल्ड क्रिकेट हिस्ट्री की अब तक की सबसे महान टीमें माना जाता था, लेकिन सूर्या की टीम के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता।

ऊपर बताई गई टीमों के पास दुनिया को कुछ साबित करने के लिए नहीं था, लेकिन सूर्या की टीम में, बुमराह को छोड़कर, हर किसी में अपनी काबिलियत और टैलेंट दिखाने की जबरदस्त इच्छा थी। इस टीम में, कप्तान सूर्या और गेंदबाज बुमराह को छोड़कर हर सदस्य को नजरअंदाज किया जा सकता था। दूसरे विकल्प आसानी से मिल गए थे। अभिषेक शर्मा ने टीम में अपनी जगह लगभग खो दी थी। मैन ऑफ द टूर्नामेंट संजू सैमसन को शुरू में ही बेंच पर बैठा दिया गया था। इशान किशन नंबर तीन पर टीम की पहली पसंद नहीं थे। तिलक वर्मा, जो पहले नंबर तीन के बैट्समैन थे, जिन्हें टीम मैनेजमेंट ने बहुत पसंद किया था, उन्हें आखिरकार इशान के लिए अपनी जगह छोड़नी पड़ी। सूर्या का वर्ल्ड कप बैट्समैन के तौर पर ठीक-ठाक रहा। बॉलर्स में, बुमराह को छोड़कर, बाकी सभी ने स्ट्रगल किया। वरुण चक्रवर्ती, जिन्हें ट्रंप कार्ड माना जा रहा था, फाइनल से ठीक पहले बाहर होने की कगार पर थे। लेकिन यही टीम की सबसे बड़ी ताकत थी। कुछ सुपरस्टार्स की टीम न होने के कारण, ड्रेसिंग रूम में उनका न होना एक तरह से वरदान था। टीम मैच जीतने के लिए एक या दो प्लेयर्स पर डिपेंडेंट नहीं थी। रूम में कोई ऐसा नहीं था जो उन्हें उनके जबरदस्त टैलेंट से डरा सके; उन्हें बचाने के लिए कोई भगवान नहीं था। इससे हर प्लेयर को अपनी काबिलियत साबित करने और विनर बनने का मौका मिला।

संजू सैमसन इसका एक बेहतरीन उदाहरण हैं। उन्होंने लगातार तीन इनिंग्स खेलीं, जिस पर किसी भी महान प्लेयर को गर्व हो सकता है। जब भी उनका इंटरव्यू हुआ, उन्होंने अपनी कमजोरियों और पहले की नाकामियों की वजह से अपनी मानसिक कमजोरी के बारे में बात की, जबकि वे एक बेहतरीन टैलेंट थे। जब वे इंडियन टीम से बाहर होने की कगार पर थे, तब उन्होंने खुद को संभाला। उन्होंने अपने टैलेंट का शुक्रिया नहीं अदा किया; उन्होंने भगवान का शुक्रिया अदा किया। उप-कप्तान अक्षर पटेल को पहले टीम से बाहर कर दिया गया था।

लखपति दीदी सफलता कहानी : बिहान से जुड़कर आत्मनिर्भर बनीं दुर्ग जिले की नंदनी कुम्भकार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला दुर्ग के विकासखण्ड दुर्ग अंतर्गत ग्राम थनौद में 18 फरवरी 2018 को जय कुम्भकार स्व सहायता समूह का गठन किया गया। इस समूह में कुल 13 सदस्य हैं, जिनमें से 12 सदस्य पारंपरिक कुम्भकारी कार्य से जुड़े हुए हैं। समूह की सक्रिय सदस्य नंदनी कुम्भकार ने अपने परिश्रम, लगन और बिहान मिशन के सहयोग से ह्वलखपति दीदीह्व बनने की दिशा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

नंदनी कुम्भकार बताती हैं कि समूह से जुड़ने से पहले कुम्भकारी कार्य के लिए उन्हें अधिक ब्याज दर पर ऋण लेना पड़ता था। आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण वे बड़े स्तर पर मूर्ति निर्माण का कार्य नहीं कर पाती थीं और छोटी-मोटी आय से परिवार का भरण-पोषण करना भी कठिन हो जाता था।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़े सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (CRP) के माध्यम से उन्हें स्व सहायता समूह के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने अन्य महिलाओं के साथ मिलकर समूह का गठन किया और नियमित बचत तथा आपसी लेन-देन की प्रक्रिया प्रारंभ की।

समूह को प्रारंभ में 15,000 रुपये की चक्रीय निधि (रिवाल्विंग फंड) प्राप्त हुई तथा इसके बाद आजीविका गतिविधियों के लिए 60,000 रुपये का बैंक ऋण मिला। वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के दौरान नंदनी कुम्भकार ने कुल 1,50,000 रुपये का ऋण लेकर मूर्ति निर्माण का कार्य बढ़ाया, जिसमें से उन्होंने 1,00,000 रुपये ब्याज सहित वापस भी कर दिया है।

वतर्मान में नंदनी कुम्भकार अप्रैल से दिसंबर माह तक मिट्टी से बनी मूतियाँ, दीये, घरेलू उपयोग की वस्तुएँ, विवाह संबंधी मिट्टी के उत्पाद तथा बच्चों के खिलौने बनाती हैं। वहीं दिसंबर से मार्च तक ऑर्डर के अनुसार सीमेंट की मूतियाँ तैयार करती हैं।

गणेश पूजा, नवरात्रि और दीपावली जैसे पर्वों के दौरान बिहान मिशन के सहयोग से उन्हें बाजार उपलब्ध कराया जाता है, जहाँ वे अपने उत्पादों की बिक्री करती हैं। इन अवसरों पर छोटी मूतियाँ, दीये एवं अन्य मिट्टी के उत्पादों की अच्छी बिक्री होती है। वर्ष भर में उनके समूह द्वारा लगभग 9 से 10 लाख रुपये तक की बिक्री होती है, जिसमें से लगभग 5 लाख रुपये तक की शुद्ध आय प्राप्त होती है।

सामाजिक परिवर्तन

नंदनी कुम्भकार की सफलता से उनके परिवार और समाज में सकारात्मक बदलाव आए हैं—परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई। बच्चो की शिक्षा बेहतर विद्यालयों में प्रारंभ हुई। घर की आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था हो सकी। गांव की अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरणा मिल रही है। नंदनी कुम्भकार की यह यात्रा संघर्ष, आत्मविश्वास और मेहनत की प्रेरक कहानी है। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के सहयोग से उन्होंने यह साबित किया है कि यदि महिलाओं को सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता मिले तो वे आत्मनिर्भर बनकर 'लखपति दीदी' का सपना साकार कर सकती हैं।

मुर्गीपालन से बदली अनुसुइया नेताम की जिंदगी, मेहनत से बनी आत्मनिर्भर

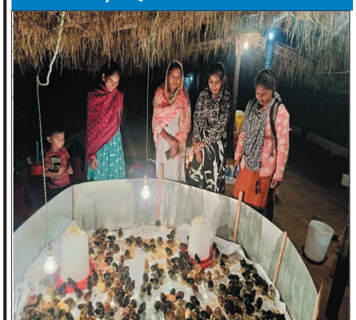

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिला स्व-सहायता समूह आज महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जो महिलाएं पहले केवल घर और परिवार तक सीमित थीं, आज वे आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त होकर अपनी अलग पहचान बना रही हैं। इसी कड़ी में उत्तर बस्तर कांकेर जिले के सुदूरवर्ती अंतागढ़ विकासखंड के ग्राम बेलोंडी की श्रीमती अनुसुइया नेताम ने मुर्गीपालन व्यवसाय के माध्यम से सफलता की नई मिसाल कायम की है।

श्रीमती नेताम ने बताया कि उनका परिवार पहले मुख्य रूप से खेती और मजदूरी पर निर्भर था। वर्षा आधारित खेती होने के कारण कई बार फसल अच्छी नहीं होती थी, जिससे परिवार की आय अस्थिर और सीमित रहती थी। आय कम होने के कारण घर के खर्च, बच्चों की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करना उनके लिए एक बड़ी चुनौती बन गया था। इस परिस्थिति से उबरने के लिए उन्होंने जय मां संतोषी स्व-सहायता समूह से जुड़कर मुर्गीपालन को आजीविका के रूप में अपनाने का निर्णय लिया। समूह के माध्यम से उन्होंने 30 हजार रुपए का ऋण लेकर मुर्गीपालन व्यवसाय की शुरुआत की। धीरे-धीरे इस व्यवसाय से उन्हें अच्छी आमदनी मिलने लगी।

श्रीमती अनुसुइया नेताम ने समूह से जुड़ने के बाद उन्हें बचत का महत्व, ऋण प्रबंधन और छोटे व्यवसायों के संचालन की जानकारी मिली। साथ ही महिलाओं को आय बढ़ाने के विभिन्न तरीकों और शासकीय योजनाओं के बारे में भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिससे उनमें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा जागृत हुई। वे सूर्या महिला ग्राम संगठन बेलोंडी और आशा महिला क्लस्टर संगठन अमाबेड़ा की बैठकों में भी नियमित रूप से भाग लेने लगीं। व्यवसाय की शुरुआत में उन्होंने लगभग 360 देशी चूजों की खरीदी की, जिस पर करीब 11 हजार 880 रुपए खर्च हुए। इसके अतिरिक्त दाना, पानी के बर्तन, वैक्सीन और टॉनिक आदि पर भी खर्च किया गया। इस प्रकार मुर्गीपालन व्यवसाय में कुल मिलाकर लगभग 33 हजार 360 रुपए का प्रारंभिक निवेश किया गया।

श्रीमती अनुसुइया नेताम ने बताया कि कुछ महीनों की मेहनत के बाद मुगिर्यां अच्छी तरह विकसित होकर बिक्री के लिए तैयार हुईं। इसके बाद उन्होंने लगभग 200 मुगिर्यां बेचकर 55 हजार रुपए की शुद्ध आय अर्जित की। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ और अब बच्चों की पढ़ाई सहित अन्य आवश्यकताओं को पूरा करना पहले की तुलना में काफी आसान हो गया है। स्व-सहायता समूह, ग्राम संगठन और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से श्रीमती अनुसुइया नेताम ने मुर्गीपालन के माध्यम से न केवल अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की है, बल्कि आज वे गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन गई हैं।

कम्प्यूटर कोचिंग से भविष्य सँवार रहीं हैं प्रिंयंका, साकार हुआ सपना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कम्प्यूटर कोचिंग के माध्यम से आज के डिजिटल युग में अपने भविष्य को सँवारना एक अत्यंत व्यावहारिक निर्णय है। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा और सॉफ्टवेयर विकास जैसे क्षेत्रों में उच्च-वेतन वाली नौकरियों के द्वार खोलता है।

बस्तर जिले के जगदलपुर विकासखंड अंतर्गत पंडरीपानी निवासी युवती प्रियंका मंडल ने अपने आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के बल पर न केवल आत्मनिर्भर बनने का उदाहरण प्रस्तुत किया है, बल्कि क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी हैं। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना का लाभ लेकर उन्होंने अपना कम्प्यूटर कोचिंग सेंटर स्थापित किया है। प्रियंका मंडल के परिवार में माता-पिता तथा भाई-भाभी सहित कुल 5 सदस्य हैं। प्रियंका की शैक्षणिक योग्यता स्नातकोत्तर है। प्रियंका बताती हैं कि पढ़ाई पूरी करने के बाद वे जीवन-यापन के लिए संविदा के रूप में कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्य कर रही थीं। उन्हें शुरू से ही कम्प्यूटर के क्षेत्र में गहरी रुचि थी और वे कुछ अलग करने की महत्वाकांक्षा रखती थीं।

प्रियंका ने देखा कि बस्तर के ग्रामीण क्षेत्रों के कई बच्चे कम्प्यूटर सीखना चाहते हैं, लेकिन दूर स्थित शहरों तक आने-जाने में होने वाली परेशानी और अधिक खर्च के कारण वे कम्प्यूटर शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। इस समस्या को देखते हुए प्रियंका ने ग्रामीण बच्चों को कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण कम्प्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कम्प्यूटर कोचिंग सेंटर खोलने का निर्णय लिया, लेकिन उनकी इस इच्छा में उनकी आर्थिक स्थिति आड़े आ रही थी। प्रियंका को अपने एक मित्र के माध्यम से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना की जानकारी मिली। उन्होंने जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र से संपर्क कर योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दस्तावेज जमा कर ऋण के लिए आवेदन किया। योजना के तहत उनका कम्प्यूटर कोचिंग सेंटर संबंधी प्रकरण भारतीय स्टेट बैंक पण्डरीपानी शाखा को प्रेषित किया गया। बैंक द्वारा 20 जून 2025 को उन्हें 7 लाख रुपये का ऋण प्रदाय किया गया।

प्रियंका ने बताया कि आज उनके कम्प्यूटर कोचिंग सेंटर को संचालित हुए लगभग 9 माह हो चुके हैं। इस दौरान उनके सेंटर से 20 विद्यार्थियों को सफलतापूर्वक कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जा चुका है। साथ ही उन्होंने अपने संस्थान के माध्यम से तीन युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध कराया है। प्रियंका नियमित रूप से अपने ऋण की किस्तों का भुगतान भी कर रही हैं। प्रियंका मंडल की यह पहल न केवल आत्मनिर्भरता की मिसाल है, बल्कि बस्तर के ग्रामीण युवाओं को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक सराहनीय कदम भी है। उनकी सफलता यह साबित करती है कि यदि सही दिशा और योजनाओं का लाभ मिले तो युवा अपने सपनों को साकार कर सकते हैं।

प्रियंका ने बताया कि स्नातकों को मजबूत सॉफ्टवेयर कौशल विकसित करने, ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से अपने ज्ञान को बढ़ाने, नवीनतम रुझानों से अवगत रहने और कार्यशालाओं और सेमिनारों में भाग लेने की आवश्यकता है ताकि वे अपने क्षेत्र में प्रासंगिक बने रहें, जो उनके पेशेवर विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

'मोर गांव - मोर पानी' अभियान के तहत जल संचय को जन-आंदोलन बनाने की पहल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में जल संरक्षण को जन- आंदोलन बनाने के उद्देश्य से 'मोर गांव - मोर पानी' अभियान के तहत विशेष जल संचय जनभागीदारी अभियान चलाया गया। इस अभियान में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए जल संरक्षण का संकल्प लिया और अपने गांवों में वर्षा जल संचयन के विभिन्न उपायों को अपनाने की पहल की। अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जनभागीदारी से सोक पिट निर्माण, रिचार्ज पिट और रेन वॉटर हार्वेस्टिंग जैसी जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन उपायों के माध्यम से वर्षा जल का अधिक से अधिक संचयन कर भू-जल स्तर को बढ़ाने और भविष्य में जल संकट से बचने का प्रयास किया जा रहा है।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में महिलाओं और ग्रामीणों ने जल संरक्षण की शपथ लेते हुए अपने घरों और गांवों में जल संचय के उपाय अपनाने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने बताया कि जल संरक्षण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा

जिम्मेदारी है और इसे जनभागीदारी के माध्यम से ही सफल बनाया जा सकता है। राज्य सरकार द्वारा संचालित 'मोर गांव - मोर पानी' अभियान का उद्देश्य प्रत्येक गांव में जल संरक्षण की मजबूत व्यवस्था विकसित करना है। यदि हर घर और संस्थान में रिचार्ज पिट और सोखता गड्ढे बनाए जाएं, तो वर्षा जल का संरक्षण कर जल संकट की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को विशेष रूप से इस अभियान से जोड़ा गया। अधिकारियों ने बताया कि जल संकट का प्रभाव सबसे अधिक महिलाओं पर पड़ता है, इसलिए जल शक्ति से ही नारी सशक्त होती है के संदेश के साथ महिलाओं को जल संरक्षण के प्रयासों में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के तहत ग्राम पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों, आंगनबाड़ी केंद्रों और शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से रैली, कार्यशालाएं, दीवार लेखन और जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को वर्षा जल संचयन के महत्व के बारे में जागरूक किया जा रहा है और उन्हें जल संरक्षण के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों और आसपास वर्षा जल संचयन की व्यवस्था कर जल संरक्षण के इस अभियान को जन- आंदोलन बनाने में सहयोग करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखा जा सके।

खास खबर

सूरज की रोशनी से चमका घर, बिजली बिल से मिली राहत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जिले के लोगों के लिए राहत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया माध्यम बन रही है। इस योजना के तहत अब शहर ही नहीं, बल्कि गांवों के घर भी सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे हैं। इससे लोगों को बिजली बिल से राहत मिलने के साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है।

मुंगेली विकासखंड के ग्राम रोहराखुर्द निवासी केशव सिंह राजपूत ने योजना का लाभ लेते हुए अपने घर की छत पर 2 किलोवाट का रूफटॉप सोलर पैनल लगवाया है। पहले उनके घर में बिजली आपूर्ति अनियमित रहती थी और हर महीने बिजली बिल भी ज्यादा आता था। योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने आवेदन किया और सब्सिडी के साथ सोलर सिस्टम लगवाया। अब उनके घर में नियमित बिजली मिल रही है और बिजली बिल की चिंता भी खत्म हो गई है। केशव सिंह कहते हैं कि यह योजना न केवल आर्थिक राहत दे रही है, बल्कि लोगों को स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग के लिए भी प्रेरित कर रही है।

योजना के तहत छत्तीसगढ़ सरकार और केन्द्र सरकार द्वारा संयुक्त रूप से 1 किलोवाट सोलर सिस्टम पर 45 हजार रुपए, 2 किलोवाट पर 90 हजार रुपए और 3 किलोवाट या अधिक क्षमता का सोलर प्लांट लगाने पर 1.08 लाख रुपए तक की सब्सिडी दी जा रही है। इसके लिए बैंक के माध्यम से आसान किश्तों में ऋण सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। इससे आम लोगों के लिए सौर ऊर्जा अपनाना आसान हो गया है।

निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुनी गईं लक्ष्मी वर्मा और फूलोदेवी नेताम, बीजेपी और कांग्रेस में जश्न का माहौल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ से बीजेपी प्रत्याशी लक्ष्मी वर्मा और कांग्रेस प्रत्याशी फूलोदेवी नेताम निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुन ली गई हैं। दोनों नेत्री सोमवार को प्रमाण पत्र लेने विधानसभा भवन पहुंचीं। इस दौरान दोनों सांसदों ने मिठाई खिलाकर और गले लगाकर एक-दूसरे को जीत की बधाई दी। इस मौके पर बीजेपी और कांग्रेस के नेता मौजूद रहे। सभी ने दोनों नेत्रियों को बधाई और शुभकामनायें दी हैं।

नवर्निवाचित राज्यसभा सदस्य लक्ष्मी वर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज छत्तीसगढ़ विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय कक्ष में मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने लक्ष्मी वर्मा को राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संसद के उच्च सदन राज्यसभा में छत्तीसगढ़ की जनभावनाओं, विकास से जुड़े मुद्दों और आमजन की अपेक्षाओं को सशक्त रूप से रखने में लक्ष्मी वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस अवसर पर विधायक किरण सिंह देव, विधायक अनुज शर्मा, राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव सहित अन्य जनप्रतिनिधि और नागरिक मौजूद रहे। बीजेपी की निविरीध राज्यसभा सांसद चुने पर सोमवार को छत्तीसगढ़ बीजेपी में हर्ष है। भाजपा के राष्ट्रीय व प्रादेशिक पदाधिकारियों ने इस मौके पर वर्मा को अपनी ओर से बधाई और शुभकामनायें दी।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने लक्ष्मी वर्मा को राज्यसभा सदस्य के रूप में निविरीध निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई दी और कहा कि वर्मा का चयन भाजपा के जमीनी कार्यकर्ताओं के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय नेतृत्व के अटूट विश्वास का प्रतीक है। श्रीमती वर्मा ने संगठन में जिस समर्पण के साथ कार्य किया है, अब उसकी गूंज देश की सबसे बड़ी पंचायत में सुनाई देगी। यह निर्वाचन छत्तीसगढ़ की महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने श्रीमती लक्ष्मी वर्मा को राज्यसभा निर्वाचन की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि संगठन में निरंतर सक्रिय रहने वाली और कार्यकर्ताओं के बीच गहरा प्रभाव रखने वाली लक्ष्मी वर्मा का निविरीध चुना जाना संगठन की एकजुटता और अनुशासन को दर्शाता है। उनके अनुभव का लाभ न केवल छत्तीसगढ़ को मिलेगा, बल्कि केंद्र में भी वे प्रदेश के विषयों को मुखरता से रखेंगीं।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने श्रीमती लक्ष्मी वर्मा को बधाई देते हुए कहा कि पार्टी ने हमेशा अपने परिश्रमी कार्यकर्ताओं को सम्मान दिया है। लक्ष्मी वर्मा का राज्यसभा जाना इस बात का प्रमाण है कि भाजपा में एक बूथ स्तर का कार्यकर्ता भी सवोच्च सदन तक पहुँच सकता है। उनके निविरीध निर्वाचन से पूरे प्रदेश के कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर है।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सरोज पाण्डेय ने श्रीमती लक्ष्मी वर्मा को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की एक अनुभवी और प्रखर महिला नेत्री का राज्यसभा जाना गौरव का विषय है। श्रीमती वर्मा ने सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में जो कार्य किए हैं, वे प्रेरणादायक हैं। सदन में उनके प्रवेश से छत्तीसगढ़ के विकास और महिला हितों से जुड़े मुद्दों को नई ऊर्जा मिलेगी।

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कोण्डागाँव विधायक लता उसेण्डी ने लक्ष्मी वर्मा को राज्यसभा के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह प्रदेश की नारी शक्ति की जीत है। वर्मा ने हमेशा वंचितों और महिलाओं की आवाज बुलंद की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा महिलाओं को नेतृत्व के हर स्तर पर अवसर प्रदान कर रही है, श्रीमती वर्मा की जीत इसका प्रमाण है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री त्रय यशवन्त जैन, डॉ. नवीन मार्कण्डेय व अखिलेश सोनी ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि लक्ष्मी वर्मा का निर्विरोध निर्वाचन पार्टी की सुस्पष्ट रणनीति और प्रदेश में भाजपा की मजबूत स्थिति का परिचायक है। उनके पास संगठन और प्रशासन का लम्बा अनुभव है, जिसका सीधा लाभ आने वाले समय में प्रदेश की जनता को मिलेगा।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने श्रीमती लक्ष्मी वर्मा को बधाई देते हुए कहा कि यह महिला मोर्चा के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए गर्व का विषय है। श्रीमती वर्मा ने संगठन में हमें हमेशा मार्गदर्शन दिया है। उनका राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुना जाना छत्तीसगढ़ की करोड़ों माताओं-बहनों का सम्मान है।

बता दें कि राज्यसभा चुनाव में नामांकन वापसी के बाद दोनों नेत्रियां निविरीध राज्यसभा सांसद चुनी गईं। इसके बाद उन्होंने विधानसभा पहुंचकर अपना निर्वाचन प्रमाण पत्र प्राप्त किया। दोनों सांसदों ने इस अवसर पर पार्टी नेतृत्व और प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे राज्य और जनता के हितों को राज्यसभा में मजबूती से उठाने का काम करेंगी।

ऐसा पहली बार है जब राज्यसभा चुनाव के लिए पहली बार दोनों पार्टियों ने महिला को उम्मीदवार बनाया है। छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की पांच सीटें हैं। फिलहाल पांच से अब तीन सांसद महिला रहेंगी। हालांकि कांग्रेस की रंजीता रंजन का कार्यकाल मई में खत्म हो जाएगा। छत्तीसगढ़ में अब तक पांच में से चार सांसद कांग्रेस के थे, लेकिन अब बीजेपी की संख्या बढ़ेगी। बीजेपी के सदन में दो सदस्य हो जाएंगे, जबकि कांग्रेस के तीन सदस्य हैं। इस बार दोनों ही पार्टियों ने जातिगत और सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते प्रत्याशी का चयन किया था।

बड़ी और खास बात ये है कि दोनों ही महिला नेत्रियों ने साल 2023 के विधानसभा चुनाव में टिकट की दावेदार की थी, लेकिन पार्टी ने दोनों को मौका नहीं दिया था। अब राज्यसभा के लिए भेजकर उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। फूलोदेवी नेताम बस्तर से हैं और कांग्रेस की बड़ी महिला चेहरा हैं। वह लगातार दूसरी बार राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुई है। इसके साथ ही वह छत्तीसगढ़ में महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। वहीं बीजेपी की लक्ष्मी वर्मा पार्टी में लंबे समय से प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी देख रही हैं। वह रायपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष भी रह चुकी है। अब पार्टी ने उन्हें राज्यसभा के लिए भेजा है।

अमराइयों में बौरों की बहार, रिकॉर्ड उत्पादन की उम्मीद

नई दृष्टिबिंदु / जशपुर

जशपुर जिले की अमराइयों में इन दिनों आम के बौरों की सुगंध वातावरण को महका रही है। इस वर्ष आम के वृक्षों पर मंजरियाँ सघन एवं स्वस्थ दिखाई दे रही हैं, जिससे किसानों में बेहतर उत्पादन की उम्मीद जगी है। दशहरी, लंगड़ा, चौसा एवं आम्रपाली जैसी आम की प्रमुख प्रजातियाँ फूलों से आच्छादित हैं। वतर्मान में लगभग 5 हजार 410 हेक्टेयर क्षेत्र में आम की खेती की जा रही है। सहायक संचालक उद्यान ने बताया कि अनुकूल मौसम एवं वैज्ञानिक प्रबंधन अपनाने पर उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है। जशपुर का आम अपनी गुणवत्ता एवं मिठास के कारण अन्य राज्यों में भी भेजा जाता है। उद्यानिकी विभाग ने किसानों को बौर अवस्था में सिंचाई रोकने, फूल खिलने पर कीटनाशक का छिड़काव न करने तथा कीट-रोग नियंत्रण हेतु आवश्यक दवाओं के उपयोग की सलाह दी है। मैंगो हॉपर, पाउड्री मिल्डियू एवं एंथ्राकनोज नियंत्रण के लिए समयानुसार उपचार करने को कहा गया है।

वनमंत्री केदार कश्यप ने ठेमली आईलैंड का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप आज सुबह जिले के प्रसिद्ध पंडित रविशंकर जलाशय, जिसे गंगरेल बांध के नाम से भी जाना जाता है ।स्थित पर्यटन स्थल ठेमली आईलैंड बोट से पहुंचे। उन्होंने यहां संचालित पर्यटन विकास कार्यों का स्थल निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंत्री कश्यप ने कहा कि ठेमली आईलैंड प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण स्थल है, जिसे पर्यटन की दृष्टि से विकसित करते समय पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता का विशेष ध्यान रखा जाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में स्थानीय प्राकृतिक स्वरूप को यथावत रखते हुए पर्यटकों के लिए सुरक्षित एवं आकर्षक सुविधाएं विकसित की जाएं।

इस अवसर पर कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने मंत्री को यहां प्रस्तावित पर्यटन विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि पर्यटकों की सुविधा के लिए पाथवे निर्माण, व्यू प्वाइंट, वॉच टॉवर सहित अन्य आधारभूत सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इन कार्यों से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। वनमण्डलाधिकारी

श्रीकृष्ण जाधव ने पर्यटन विकास से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि परियोजना में प्रकृति पर्यटन (ईको-टूरिज्म) की अवधारणा को ध्यान में रखते हुए योजनाएं तैयार की गई हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष, औषधि पादप बोर्ड विकास मरकाम, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी/विकास योजना) अरुण पांडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने पर्यटन विकास को बेहतर और टिकाऊ बनाने के संबंध में अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए। मंत्री कश्यप ने कहा कि ठेमली आईलैंड को सुनियोजित ढंग से विकसित कर इसे प्रदेश के प्रमुख ईको-टूरिज्म स्थलों में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा, जिससे आने वाले समय में यह स्थान पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी।

उपलब्धि महतारी वंदन योजना की 25वीं किस्त हितग्राहियों के खातों में अंतरित

भाजपा सरकार की महतारी वंदन योजना से सशक्त हुई महिलाएं, सरस्वती केंवट ने बढ़ाया अपना होटल व्यवसाय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश की महिलाओं को बड़ी सौगात देते हुए महतारी वंदन योजना की 25वीं किस्त का अंतरण किया। राज्य स्तरीय वृहद महतारी वंदन सम्मेलन के माध्यम से प्रदेशभर की महिला हितग्राहियों के खातों में योजना की राशि अंतरित की गई। राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी प्रेरित कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वर्चुअल माध्यम से जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम तेंदुभाठा की हितग्राही श्रीमती सरस्वती केंवट से संवाद कर योजना से मिले लाभ और उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की जानकारी ली। श्रीमती सरस्वती केंवट इस योजना की प्रेरक मिसाल बनकर सामने आई हैं। उन्होंने महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली राशि का उपयोग अपने छोटे होटल व्यवसाय को आगे बढ़ाने में किया। आज उनके इस प्रयास से होटल व्यवसाय अच्छी तरह संचालित हो रहा है और उन्हें हर महीने लगभग 10 से 15 हजार रुपये तक की आय होने लगी है,

जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने उनके इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना है। संवाद के दौरान श्रीमती सरस्वती केंवट ने मुख्यमंत्री को अपने होटल आने का स्नेहपूर्ण निमंत्रण देते हुए कहा कि वे उनके होटल में आकर चाय और नाश्ता जरूर करें। इस पर मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए उनका निमंत्रण स्वीकार करते हुए कहा, हम आपके होटल जरूर आएंगे- हमें चाय पिलाइएगा और भजिया-पकोड़ा भी खिलाइएगा।'

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में और अधिक सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री के साथ हुए इस संवाद से श्रीमती सरस्वती केंवट और उनके परिवार में खुशी का माहौल है। उनका यह प्रयास क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन रहा है।

रायपुर कमिश्नरेट की पिंक पेट्रोल यूनिट पहुँच रही गर्ल्स स्कूल-कॉलेज और संवेदनशील क्षेत्रों में

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा शुरू की गई पिंक पेट्रोल यूनिट का सकारात्मक असर दिखाई देने लगा है। आमजन, विशेषकर स्कूली बच्चों और महिलाओं द्वारा इस पहल की सराहना की जा रही है।

पिछले दो दिनों में पिंक पेट्रोलिंग टीम ने स्कूल-कॉलेजों में स्कूल लगने ओर छूटने के समय में जाकर छात्र-छात्राओं से संवाद किया तथा महिलाओं की सहायता के लिए जारी हेल्पलाइन नंबर 9479210932 एवं महिला सुरक्षा संबंधी जानकारी देकर महिलाओं को जागरूक किया । इसके साथ ही सार्वजनिक स्थलों, मॉल, मंदिरों और मरीन ड्राइव, ऑक्सीजोन गार्डन में महिलाओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई।

पेट्रोलिंग के दौरान स्कूल-कॉलेज के आसपास भीड़ लगाकर खड़े रहने वाले युवकों व मनचलों को हटाया गया तथा हेल्पलाइन नंबर पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की गई। पिंक पेट्रोल यूनिट की सक्रियता से महिलाओं और छात्राओं में सुरक्षा की भावना मजबूत हो रही है। यह पेट्रोलिंग यूनिट प्रतिदिन सुबह 6 बजे से रात के 10 बजे तक 2 शिफ्ट में कार्य करेगी। पेट्रोलिंग यूनिट सुबह मॉर्निंग वॉक करने वाले क्षेत्र में सक्रिय रहेंगे। इसके अलावा अलग-अलग समय में अलग-अलग मंदिर, स्कूल, कॉलेज, मॉल, सब्जी बाजार, सार्वजनिक स्थलों पर पेट्रोलिंग करेंगे।

राज शांडिल्य ने बालाजी टेलीफिल्म्स संग खत्म किया कॉन्ट्रैक्ट

निर्देशक राज शांडिल्य ने एकता कपूर की बालाजी मोशन पिक्चर्स (बालाजी टेलीफिल्म्स) के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया। राज ने ऑफिशियल बयान में अपने ऊपर लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया। राज शांडिल्य ने जारी ऑफिशियल बयान में स्पष्ट करते हुए बताया कि कॉन्ट्रैक्ट के अधिकारों के अनुसार टर्मिनेशन नोटिस जारी किया गया था, जिसे दो हफ्ते से ज्यादा समय बीत चुका है। राज शांडिल्य ने कहा, 'मैंने अपने कॉन्ट्रैक्ट के अधिकारों के अनुसार बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का नोटिस जारी किया था। टर्मिनेशन नोटिस जारी हुए अब दो हफ्ते से ज्यादा हो गए हैं। अगर बालाजी को लगता था कि उनके पास टर्मिनेशन को चुनौती देने का कोई ठोस कानूनी आधार है, तो वे सिविल कोर्ट जा सकते थे, लेकिन ऐसी कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गई है।' उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बजाय अब बेबुनियाद क्रिमिनल आरोप लगाने की कोशिश की जा रही है। राज का कहना है कि ये आरोप पूरी तरह निराधार हैं और टर्मिनेशन को चुनौती देने के बजाय डराने-धमकाने की कोशिश लगती हैं। उन्होंने अपनी लीगल पोजीशन पर भरोसा जताया और कहा कि वे ऐसे किसी भी इल्जाम को सही कानूनी प्रक्रिया के जरिए देखेंगे। राज ने यह भी साफ किया कि उनकी अपकमिंग फिल्म 'भागम भाग 2' पूरी तरह ट्रैक पर है और तय समय पर आगे बढ़ेगी। फिल्म में अक्षय कुमार, मनोज बाजपेयी, परेश रावल जैसे कलाकार हैं और यह साल 2006 की हिट कॉमेडी 'भागम भाग' का सीक्वल है। राज ने क्रिएटिव इंडस्ट्री के सदस्यों से अपील की कि वे ऐसे प्रेशर टैक्टिक्स पर ध्यान दें और भविष्य में प्रोफेशनल एसोसिएशन तय करते समय सावधानी बरतें। राज शांडिल्य निर्देशक के साथ ही लेखक भी हैं, जिन्होंने 'ड्रीम गर्ल', 'ड्रीम गर्ल 2' और 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' जैसी फिल्मों में काम किया है। जानकारी के अनुसार, एकता कपूर ने कॉन्ट्रैक्ट तोड़ने का आरोप लगाते हुए राज शांडिल्य समेत 'भागम भाग 2' के प्रोड्यूसर्स और अक्षय कुमार की केप ऑफ गुड फिल्म्स पर भी केस किया है।

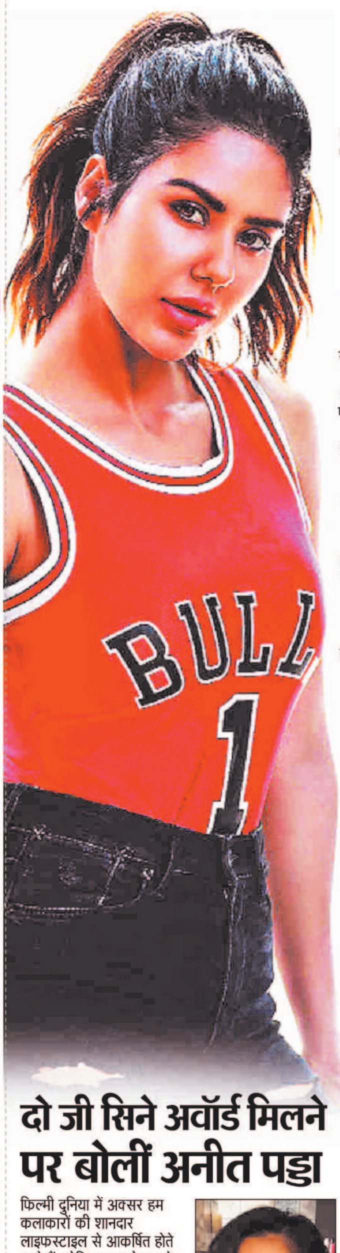

पहली बार अवॉर्ड शो के मंच पर उतरीं सोनम बाजवा

फिल्मी दुनिया में अवॉर्ड नाइट्स को हमेशा खास माना जाता है। इस मंच पर परफॉर्म करना किसी भी कलाकार के लिए बड़ा सम्मान होता है। इसी से जुड़ा एक खास अनुभव अभिनेत्री सोनम बाजवा ने साझा किया। उन्होंने पहली बार जी सिने अवॉर्ड्स 2026 के अवॉर्ड शो में पहली बार लाइव परफॉर्मेंस दी। इस दौरान उन्हें कैसा महसूस हुआ, इस बारे में अभिनेत्री ने खुलकर बात की। सोनम ने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में अपनी फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' के गानों 'बोल कफ्फारा क्या होगा' और 'दिल दिल दिल' पर शानदार डांस किया। उनकी एनर्जी और एक्सप्रेशन ने वहां दर्शकों को अपना दीवाना बना दिया। उनकी परफॉर्मेंस को देख वहां मौजूद लोगों ने जमकर तालियां बजाईं। सोनम ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, ''मैं पहले भी कई लाइव शो कर चुकी हूं, लेकिन किसी अवॉर्ड नाइट में परफॉर्म करना मेरे लिए बिल्कुल अलग एहसास था। बचपन में मैं टीवी पर अवॉर्ड फंक्शन देखा करती थी और सोचती थी कि एक दिन मैं भी ऐसे ही मंच पर खड़ी होंगी। अब जब मुझे यह मौका मिला तो यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा था।''

उन्होंने कहा, ''यह मेरा पहला अवॉर्ड शो परफॉर्मेंस था, इसलिए यह मेरे लिए बेहद खास है। पूरे फिल्म जगत के सामने स्टेज पर खड़ा होना अलग ही अनुभव है। वहां का माहौल, सिनेमा का जश्न और फैंस का प्यार, सब कुछ बहुत भावुक कर देने वाला होता है। परफॉर्मेंस से पहले मैं थोड़ी नर्वस थी, लेकिन साथ ही दिल में आभार भी था कि मुझे इतना बड़ा मौका मिला।'' साल 2025 सोनम बाजवा के लिए बेहद खास रहा। उनकी फिल्म 'हाउसफुल 5' और 'एक दीवाने की दीवानियत' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं, उन्होंने साल 2026 की शुरुआत भी बड़े प्रोजेक्ट के साथ की है। वह सनी देओल की फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आईं। इन फिल्मों की सफलता ने उन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में एक मजबूत पहचान दिलाई।

कृति सेनन से 'बेहतर होने की जंग' में यामी गौतम ने दी सफाई

सोशल मीडिया में इन दिनों 'बेस्ट एक्ट्रेस' अवॉर्ड को लेकर बहस तेज हो गई है। अभिनेत्री यामी गौतम और कृति सेनन के प्रशंसकों के बीच यह विवाद छिड़ गया है कि दोनों में से बेहतर अभिनेत्री कौन है। दिलचस्प बात यह है कि यह पूरा विवाद यामी गौतम द्वारा एक सोशल मीडिया पोस्ट को 'लाइक' करने के बाद शुरू हुआ। हालांकि, अब यामी गौतम ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा है कि उनका किसी भी अभिनेत्री को नीचा दिखाने का कोई इरादा नहीं था। यामी गौतम ने अपने 'लाइक' को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि एक सेलिब्रिटी होने के कारण उन्हें रोजाना कई पोस्ट में टैग किया जाता है और कई बार यह स्पष्ट नहीं होता कि पोस्ट किसके संदर्भ में है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'मुझे पता चला है कि मैंने एक ऐसी रील को 'लाइक' किया है, जिसे किसी अन्य कलाकार के प्रति अपमानजनक माना जा रहा है। हमें रोजाना कई पोस्ट में टैग किया जाता है और यह भी एक अवॉर्ड समारोह से जुड़ी किसी अन्य टैग की तरह ही दिखाई दिया। ऐसा बिल्कुल भी जानबूझकर नहीं किया गया था। संभव है कि यह गलती से क्लिक हो गया हो।' यामी गौतम ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके पास कोई पीआर टीम नहीं है और उन्हें ऐसे 'घटिया पीआर हथकंडे' अपनाने नहीं आते। दरअसल, जिस पोस्ट को यामी गौतम ने 'लाइक' किया था, उसमें एक तरफ कृति सेनन की तस्वीर और दूसरी तरफ यामी गौतम की तस्वीर लगाई गई थी। पोस्ट में कृति सेनन की तुलना में यामी गौतम को 'बेस्ट एक्ट्रेस' अवॉर्ड के लिए अधिक योग्य बताया गया था। गौरतलब है कि कृति सेनन को फिल्म 'तेरे इश्क में' के लिए 'बेस्ट एक्ट्रेस' का अवॉर्ड मिला था। इसी पोस्ट को लाइक किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई और दोनों अभिनेत्रियों के प्रशंसक आपस में भिड़ गए।

क्या रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' में होगा शाहरुख खान का कैमियो

पहले भी शाहरुख खान की फिल्म 'रा.वन' में रजनीकांत के मशहूर किरदार चिट्टी का कैमियो दिखाया गया था, लेकिन बाद में अभिनेता सुरेश मेनन ने बताया था कि उस सीन में खुद रजनीकांत मौजूद नहीं थे। वहीं रोहित शेट्टी की फिल्म 'चेन्नई एक्सप्रेस' के गाने लुंगी डांस में भी रजनीकांत को ट्रिब्यूट दिया गया था। लेकिन अब खबरें आ रही हैं कि जेलर 2 में दोनों साथ में नजर आ सकते हैं। खबरें है कि निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म 'जेलर 2' में दोनों स्टार्स एक साथ दिखाई देंगे। यह जानकारी अभिनेता मोहनलाल के स्टाइलिस्ट जिहाद शमसुद्दीन के इंस्टाग्राम स्टोरी से सामने आई, जिसके बाद फैंस के बीच एक्साइटमेंट और चर्चा तेज हो गई है। हालांकि फिल्म के मेकर्स की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन फैंस के बीच इस खबर की वजह से एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

क्यों हुई चर्चाएं तेज

दरअसल, जिशाद ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक एआई से बनी तस्वीर शेयर की, जिसमें ग्रे-हेयर लुक में शाहरुख खान कार चलाते नजर आ रहे हैं, उनके साथ आगे की सीट पर मोहनलाल बैठे हैं, जबकि पीछे की सीट पर रजनीकांत और शिव राजकुमार दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर के कैप्शन में लिखा था कि फैंस 'जेलर 2' में ऐसा फ्रेम देखने का इंतजार कर रहे हैं। इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए जिशाद ने लिखा, 'कंदिप्पा इरुक्कुम यानी (पक्का होगा)', जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में इन सभी स्टार्स का एक साथ सीन हो सकता है।

पहली बार साथ दिखाई दे सकते हैं दोनों स्टार्स

बता दें कि मोहनलाल ने 2023 की हिट फिल्म जेलर में रजनीकांत के किरदार मुथुवेल पांडियन आईपीएस (टाइगर) के दोस्त मैथ्यू के रूप में कैमियो किया था और वह सीक्वल में भी वापसी करेंगे। अगर खबर सही साबित होती है, तो शाहरुख खान और रजनीकांत का यह पहला ऑन-स्क्रीन साथ होगा। फिलहाल शाहरुख खान फिल्म किंग की शूटिंग में व्यस्त हैं।

दो जी सिने अवॉर्ड मिलने पर बोलीं अनीत पड्डा

फिल्मी दुनिया में अक्सर हम कलाकारों की शानदार लाइफस्टाइल से आकर्षित होते रहते हैं। लेकिन इस शोहरत के पीछे उनकी मेहनत और संघर्ष होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री अनीत पड्डा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया। दरअसल, उन्होंने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में दो बड़े अवॉर्ड्स जीते, जिसे उन्होंने अपने पिता को समर्पित किया। अनीत पड्डा ने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में बेस्ट डेब्यू फीमेल का अवॉर्ड जीता। इसके साथ ही उन्हें व्यूअर्स चॉइस बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान भी मिला। स्टेज पर अवॉर्ड लेने पहुंची अनीत ने अपनी स्पीच में सबसे पहले अपने पिता का जिक्र किया और कहा, ''मैं इस जीत का श्रेय अपने पापा को देती हूं। यह पल मेरे जिंदगी के सबसे इमोशनल पलों में से एक है। मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया है। मेरे पापा भी एक्टर बनना चाहते थे, लेकिन किसी वजह से उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका, लेकिन अब उनकी बेटी ने उनका यह सपना पूरा किया है। मैंने अपने पापा के इस सपने को जिया है।'' अनीत ने पंजाबी भाषा में अपने पापा से कहा, ''अब आपका सपना आपकी बेटी के जरिए पूरा हो गया है। जब आप कहते थे कि मैं अपना सपना तुम्हारे जरिए जी रहा हूं, तो मुझे एहसास होता था कि मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने पापा के सपने को भी साकार कर रही हूं।''

हमारे लिए एक प्रिवलेज है, नेपोटिज्म पर सैफ अली खान ने दी प्रतिक्रिया

बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर अक्सर ही बहस छिड़ी रहती है। आउटसाइडर इसको लेकर इल्जाम लगाते रहते हैं। जबकि स्टारकिड अपना पक्ष भी रखते रहते हैं। अभिनेता सैफ अली खान भी एक स्टारकिड हैं और उनके दो बच्चे इब्राहिम अली खान और सारा अली खान भी फिल्म इंडस्ट्री में हैं। अब सैफ ने इस बारे में बात की। उनका मानना है कि पारिवारिक संबंधों के कारण उन्हें जो अवसर मिले हैं, वे उन लोगों की तुलना में बेहद अन्यायपूर्ण हैं, जिन्हें ये प्रिवलेज नहीं हैं।

स्टारकिड्स प्रिवलेज्ड हैं

अपनी बहन सोहा अली खान के यूट्यूब चैनल पर बातचीत में सैफ अली खान ने कहा कि भाग्यशाली लोगों और गुमनाम, दुर्भाग्यशाली लोगों में बहुत बड़ा अंतर होता है, जिन्हें पहचान बनाने के बहुत कम मौके मिलते हैं। इसीलिए यह देखना अद्भुत है कि कोई गिटारिस्ट, म्यूजिक डायरेक्टर या अभिनेता बनकर बिना किसी गॉडफादर या मशहूर माता-पिता के सहारे जमीनी स्तर से सफलता की सीढ़ियां चढ़ता है। माता-पिता की लोकप्रियता के कारण हमें जो सफलता मिलती है, वह बेहद अन्यायपूर्ण है और हमारे लिए एक प्रिवलेज है। नेपोटिज्म पर मेरा यही नजरिया है।

लोग तब उठाते हैं सवाल

बातचीत के दौरान सैफ ने आगे कहा कि जब आप अपने काम में माहिर हो जाते हैं, तो दर्शक संतुष्ट हो जाते हैं। लेकिन समस्या तब आती है जब आपको बार-बार मौके मिलते हैं और आप अपने काम में बिल्कुल बेकार होते हैं। तब लोग कहते हैं, 'अरे, ये क्या हो रहा है? किसी को मौका नहीं मिल रहा और उस व्यक्ति को बार-बार मौका मिल रहा है। मुझे लगता है, ये बहुत गलत है।

बच्चों की मदद करने की सीमा होती है

इंडस्ट्री का हिस्सा बन चुके अपने बच्चों सारा अली खान और इब्राहिम अली खान के बारे में भी सैफ ने बात की। उन्होंने कहा कि उनकी मदद करने की भी एक सीमा होती है। मैं निश्चित रूप से अपने सभी बच्चों का समर्थन करूंगा, लेकिन इसकी भी एक सीमा होती है। मैं इब्राहिम से भी कहता हूं। मेरा मतलब है कि मुझे नहीं पता कि इस समय मुझे तुम्हारे साथ खड़े होकर तुम्हारा हाथ थामना चाहिए या नहीं, क्योंकि तुम पहले ही अपनी हैसियत की वजह से बहुत कुछ हासिल कर चुके हो। इसलिए तुम्हें ये सब खुद करना होगा।

इब्राहिम की एक्टिंग की हुई थी आलोचना

वर्कफ्रंट की बात करें तो इब्राहिम अली खान ने पिछले साल फिल्म 'नादानियां' से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी। इसके बाद ओटीटी पर ही उनकी अगली फिल्म 'सरजमीं' भी आई थी। हालांकि, इन दोनों फिल्मों में उनकी एक्टिंग की काफी आलोचना हुई थी। अब अगली बार इब्राहिम 'दिलर' में नजर आएंगे, जो सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं सैफ अली खान की पाइपलाइन में 'हैवान' शामिल है, इसमें वो अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है।

सामान्य सभा में प्रेस क्लब चुनाव की घोषणा : 15 मार्च को होगा मतदान और परिणाम घोषित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रेस क्लब भवन राजनंदगांव में आज संस्था के संरक्षक सुशील कोठारी की अध्यक्षता में सामान्य सभा की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रेस क्लब राजनांदगांव की प्रबंध कायर्कारिणी समिति के 3 वर्षीय आगामी कायर्काल के निर्वाचन के संबंध में विचार विमर्श किया गया।

इस अवसर पर संरक्षक सुशील कोठारी, सीएल जैन सोना, जितेंद्र मिश्रा, अशोक पांडे जी, पुरुषोत्तम तिवारी, अध्यक्ष सचिन अग्रहरि, श्याम खंडेलवाल, कमलेश स्वणर्कार, दीपांकर खोबरागड़े, अजय सोनी एवं अन्य सदस्यों ने भी संबोधित किया। कुछ सदस्यों ने अपने सुझाव भी रखे हैं। तत्पश्चात नियमानुसार आय व्यय का लेखा-जोखा रखा गया। आडिट रिपोर्ट की जानकारी दी गई। इसके पश्चात क्लब की आगामी 3 वर्षीय कार्यकाल के लिए अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों का चुनाव कराने का निर्णय लिया गया। इसके लिए चुनाव प्रभारी वरिष्ठ अधिवक्ता उमाशंकर भारद्वाज और अधिवक्ता मनोज चौधरी को नियुक्त किया गया।

इस बैठक में अपील समिति का भी गठन कर दिया गया है। अपील समिति में प्रमुख रूप से संस्था के संरक्षक सी एल जैन सोना, पुरुषोत्तम तिवारी और जितेंद्र मिश्रा शामिल किए गए हैं। उसके बाद मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया। 11 मार्च 2026 को दावा आपत्ती का निराकरण दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। 11 मार्च 2026 को शाम 5 बजे तक मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया जाएगा। 12 मार्च 2026 को नामांकन पत्रों का वितरण सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा।

नामांकन पत्रों को 12 से 13 मार्च को सुबह 10 बजे से 2 बजे तक जमा किया जाएगा। नामवापसी 13 मार्च 2026 को शाम 5 बजे तक लिया जा सकेगा। अंतिम उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन और सिंबाल का वितरण 14 मार्च 2026 को किया जाएगा। 15 मार्च 2026 को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्रेस क्लब राजनंदगांव में मतदान की प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी ततपश्चात मतगणना की जाएगी और परिणाम की घोषणा होगी।

इस चुनाव को संपन्न कराने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता उमाशंकर भारद्वाज और मनोज चौधरी को चुनाव प्रभारी बनाया गया है। सहायक के रूप में अधिवक्ता विमल हाजरा, खेमराज वर्मा और मनीष तिवारी रहेंगे।

ईंधन की बचत और गैरजरूरी खर्चों में कटौती करके राष्ट्र के प्रति अपना दायित्व निभाएं : घनश्याम देवांगन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका, इजराइल एवं ईरान के बीच बढ़ते युद्ध तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति और कीमतों को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बन रही है। ऐसी स्थिति में देश में संभावित पेट्रोल-डीजल एवं कामर्शियल गैस संकट को ध्यान में रखते हुए भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ ने देशहित में एक सराहनीय निर्णय लेते हुए अपने 15 मार्च को स्पेशल बस के द्वारा सियादेई एवं अन्य पर्यटन स्थलों के पूर्व निर्धारित सामूहिक भ्रमण कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया है।

महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा कि वतर्मान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में देश के संसाधनों पर अतिरिक्त भार न पड़े, इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करना चाहिए। इसी भावना से महासंघ ने भ्रमण तथा अन्य गैरजरूरी खर्चों में भी कटौती करने का निर्णय लिया है। देश जब चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से गुजर रहा हो, तब प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह संयम और जिम्मेदारी का परिचय दे। ईंधन की बचत और गैरजरूरी खर्चों में कटौती करके हम राष्ट्र के प्रति अपना कर्तव्य निभा सकते हैं।

उन्होंने सभी नागरिकों से भी अपील की कि वे पेट्रोल-डीजल एवं गैस का उपयोग अतिआवश्यक कार्यों तक सीमित रखें, अनावश्यक यात्रा से बचें तथा ऊर्जा संरक्षण के माध्यम से देश की आर्थिक मजबूती में सहयोग करें। महासंघ के अध्यक्ष देवांगन ने यह भी स्पष्ट किया कि परिस्थितियां सामान्य होने के बाद सामूहिक भ्रमण कार्यक्रम की नई तिथि घोषित की जाएगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित सवीपरि है और आवश्यकता पड़ने पर समाज का हर वर्ग त्याग और सहयोग के लिए तैयार है।

नगर निगम भिलाई ने जल संरक्षण को बढ़ावा देने नलों में टोटी अभियान जारी

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार शहर के जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत नलों में टोटी लगाने का अभियान शुरू कर दिया है। इसका उददेश्य नागरिकों द्वारा नल खुला छोड़ने से होने वाले पानी की बरबादी को रोकना और जल संरक्षण को बढ़ावा देना है।

निगम के अधिकारियों ने बताया है कि पानी का उपयोग करने के बाद लोग नल बंद नहीं करते, जिससे अनावश्यक पानी की बर्बादी होती है। इस समस्या के समाधान के लिए सभी सार्वजनिक नलों में विशेष टोटियां लगाई जा रही है, जिससे पानी की खपत नियंत्रित रहे और नागरिको में पानी की बचत के प्रति जागरूकता बढ़े। नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर के सभी नागरिको से अपील की है कि नल का उपयोग करते समय सावधानी बरतें और टोटी का सही उपयोग करें, ताकि पानी का महत्व समझा जा सके और संसाधनों की बर्बादी रोकी जा सके। नल है तो जल है और जल है तो कल है। "जल है तो कल है" यदि आज हम पानी बचाएंगे, तभी हमारा भविष्य कल सुरक्षित रहेगा।

नशे के कारोबार को संरक्षण के विरोध में शहर जिला कांग्रेस कमेटी कल करेगी भाजपा कार्यालय का घेराव

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश में नशे के कारोबार को संरक्षण दिए जाने के विरोध में भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी गुरुवार, 12 मार्च को भारतीय जनता पार्टी के जिला मुख्यालय, दुर्ग कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन करेगी। अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी से मिले दिशा निर्देश के अनुसार पूरे प्रदेश में यह विरोध प्रदर्शन किया जाना है। भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने बैठक कर घेराव की रणनीति बना ली है।

श्री चंद्राकर ने बताया कि दुर्ग जिले के समोदा गांव में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता द्वारा लगभग 10 एकड़ भूमि पर अफीम की खेती किये जाने का मामला उजागर हुआ है। इससे स्पष्ट हो गया है कि राज्य की भाजपा सरकार नशे के कारोबार को संरक्षण देकर प्रदेश के युवाओं को नशे की ओर धकेलने का प्रयास कर रही है। श्री चंद्राकर ने बताया कि पिछले दो वर्षो में शराब, गांजा, अफीम, हिरोईन जैसे नशे के कारण प्रदेश की युवा पीढ़ी में नशे की लत, महामारी का रूप ले चुकी है। चंद पैसों के लिये सत्तासीन लोग नशे के बढ़ते कारोबार को रोकने के बजाय संरक्षण दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी इसका जमकर विरोध करेगी।

सीआरसी में अंतरराष्ट्रीय श्रवण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

विश्व श्रवण दिवस प्रत्येक वर्ष 3 मार्च को विश्व स्तर पर मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य श्रवण हानि के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा कान और श्रवण स्वास्थ्य की देखभाल को बढ़ावा देना है। इसी संदर्भ में कम्पोजिट रीजनल सेंटर (सीआरसी), राजनांदगांव द्वारा 10 मार्च को लाभार्थियों, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं स्टाफ के बीच श्रवण स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कम्पोजिट रीजनल सेंटर (सीआरसी), राजनांदगांव, जो कि राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीआईडी), सिकंदराबाद के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत है, द्वारा अंतरराष्ट्रीय श्रवण दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और सहभागिता के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के परिचय के साथ हुआ, जिसके पश्चात सरस्वती वंदना के साथ दीप प्रज्ज्वलन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों का स्वागत श्रीमती स्मिता महोबिया, निदेशक, सीआरसी राजनांदगांव द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथियों के रूप में डॉ. मिथलेश शर्मा (ईएनटी), डॉ. अश्विनी शेट्टी दिवाकर (ईएनटी), डॉ. राहुल सिंह चौहान (ईएनटी), डॉ. तुलावी (ईएनटी), डॉ. तृप्ति पंजवानी, अंकित राज व्यास तथा पद्मश्री डॉ. पुखराज बाफना, राजनांदगांव उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा प्रेरणादायक संबोधन दिया गया, जिसमें विश्व श्रवण दिवस के महत्व तथा कान एवं श्रवण स्वास्थ्य की देखभाल के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम में सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें अतिथियों को समाज के प्रति उनके योगदान और कार्यक्रम में उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिए स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, सीआरसी की महिला स्टाफ सदस्यों को भी दिव्यांगजनों की सेवा में उनके समर्पण और संस्थान की प्रगति में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. तृप्ति पंजवानी द्वारा सामुदायिक स्तर से लेकर विद्यालय एवं कक्षा तक बच्चों के लिए श्रवण देखभाल सुनिश्चित करना विषय पर एक विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस व्याख्यान में श्रवण समस्याओं की शीघ्र पहचान, समय पर हस्तक्षेप, सामुदायिक जागरूकता तथा शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका पर विशेष बल दिया गया, जिससे श्रवण बाधित बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर सहयोग मिल सके।

इस अवसर पर सीआरसी राजनांदगांव द्वारा सुश्री चुनमुन मोहंती (प्रोस्थेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट) के मार्गदर्शन में सहायक उपकरणों का वितरण भी किया गया। कुल 5 लाभार्थियों को सहायक उपकरण प्रदान किए गए, जिनमें 5 हियरिंग एड, 3 एलएस ब्रेस, 2 स्टिक तथा 1 ट्राइपॉड शामिल थे। इन उपकरणों का वितरण अतिथियों के करकमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आए मरीजों, लाभार्थियों, अतिथियों एवं स्टाफ सदस्यों के लिए श्रीमती मुक्ता साहू द्वारा अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

पूरे कार्यक्रम का समन्वय प्रशांत मेश्राम द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री पन्नाना चंदिनी द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया, जिसमें सभी अतिथियों, सहयोगी संस्थाओं, स्टाफ सदस्यों, विद्यार्थियों तथा लाभार्थियों के प्रति उनकी उपस्थिति और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में लाभार्थियों, स्टाफ सदस्यों, विद्यार्थियों एवं अतिथियों सहित कुल 90 प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे सीआरसी राजनांदगांव में अंतरराष्ट्रीय श्रवण दिवस का आयोजन सफलतापूर्वक एवं यादगार रूप में संपन्न हुआ।

बेटे के बथर्डे के दिन महिला ने ही किया गंदा काम, युवक को फंसाया

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

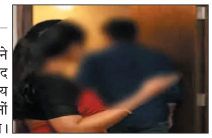

महिला ने बथर्डे पार्टी के बहाने युवक को घर बुलाया। इसके बाद अपनी परिचित की एक अन्य महिला को कमरे में भेजकर दोनों का अश्लील वीडियो बना लिया। अब महिला वीडियो का स्क्रीनशॉट भेजकर युवक को ब्लैकमेल कर रही है और 1 लाख रुपए की डिमांड कर रही है। मामला पचपेड़ी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी महिला पीड़ित युवक के पास के ही गांव में रहती है। उसने अपने बेटे के बथर्डे पार्टी के बहाने युवक को घर बुलाया, जहां पहले से ही एक अन्य महिला मौजूद थी। कमरे में दोनों ने संबंध बनाए। इस दौरान घर पर बुलाई महिला ने दोनों का वीडियो बना लिया।

बाद में युवक को स्क्रीनशॉट भेजकर पैसों की डिमांड करने लगी और नहीं देने पर सोशल मीडिया पर वायरल करने धमकी दी। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर युवक ने सोमवार को शिकायत दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कर लिया है। युवक का आरोप है कि फंसाने के लिए बथर्डे पार्टी का बहाना बनाकर पूरी योजना तैयार की गई थी। पचपेड़ी थाने के टीआई राज सिंह ने बताया कि केंवतरा आवासपारा का रहने वाला नोहर कुमार सूयर्वंशी (33) प्राइवेट जॉब करता है। शिकायत में उसने बताया कि उसकी पहचान एक महिला से है, जो पास के गांव में रहती है। 1 फरवरी को महिला के बेटे का बथर्डे था।

बथर्डे के बहाने महिला ने युवक को घर बुलाया। उस समय युवक की परिचित की दूसरी महिला भी वहां मौजूद थी। जो कि उसकी दोस्त थी। शाम को वह परिचित महिला के घर पहुंचा। वहां पहले से एक कमरा खाली रखा गया था। महिला ने युवक और उसकी महिला मित्र को उस कमरे में भेज दिया। युवक का कहना है कि महिला को पहले से उसकी दोस्ती और अंतरंग संबंध की जानकारी थी। कमरे में युवक ने अपनी महिला मित्र के साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोप है कि उसी दौरान महिला ने दोनों का वीडियो बना लिया। युवक का आरोप है कि कुछ दिन बाद महिला ने उसके मोबाइल पर अश्लील वीडियो का स्क्रीनशॉट भेजा। साथ ही बताया कि उसके पास पूरा वीडियो मौजूद है। महिला ने युवक से 1 लाख रुपए की मांग की। रकम नहीं देने पर वीडियो सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी दी। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर युवक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2) में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'किसानों का आशीर्वाद ही मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान और प्रेरणा है'-कीर्ति नायक

नई दृष्टिबिंदु / पाटन

जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर किसानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा — 'मैं अपने आप को अत्यंत सौभाग्यशाली मानती हूं कि मेरे जन्मदिवस के अवसर पर मुझे धरती के भगवान, हमारे अन्नदाता किसान भाइयों एवं बहनों का स्नेह, आशीर्वाद और अपार प्रेम प्राप्त हुआ। किसानों का यह आशीर्वाद ही मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान और प्रेरणा है, जो मुझे निरंतर जनसेवा और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित होकर कार्य करने की शक्ति प्रदान करता है।

इसी भावना के साथ उन्होंने अपने जन्मदिवस के अवसर पर सेवा सहकारी समिति, ग्राम तर्रा (जामगांव एम, बटंग एवं झीट क्षेत्र) में किसानों एवं ग्रामीणों के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था हेतु वाटर कूलर प्रदान किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान बंधु एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रूप से इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर, जनपद सदस्य श्रीमती संतोषी ठाकुर तथा ग्राम तर्रा के सरपंच विपिन चंद्राकर के सानिध्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान सेवा सहकारी समिति के प्राधिकृत अध्यक्ष गणेश चंद्राकर, अनय चंद्राकर प्रभारी, कोमल वर्मा, दुर्गेश नायक बटंग, गौरव मोहबे प्रबंधक, धर्मेन्द्र कौशिक प्राधिकृत झीट, पुरुषोत्तम सिन्हा प्रभारी, सुरेश चंद्राकर प्राधिकृत जामगांव एम, बोधन ठाकुर समिति प्रबंधक फुंडा, नीलू वर्मा प्राधिकृत, चंद्रप्रकाश, श्री सुभाष वर्मा सुपरवाइजर, दयानंद साहू, रामसेवक, रघुवेंद्र, वीर रामू कोसे, रज्जु सोनी, कवल चंद्राकर, बिसेसर, रामानंद, प्रदीप कुमार, राकेश उपसरपंच, समस्त पंचगण, लक्ष्मीनारायण, अशोक यादव सहित बड़ी संख्या में ग्राम तर्रा के ग्रामीण एवं किसान बंधु एवं बहनें उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंत मे श्रीमती नायक द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों, किसानों एवं ग्रामीणजनों का हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया।

भारत के जीत का जश्न मनाते खेल प्रेमी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

होली मिलन पुलिस चौकी सुरगी मनाया राजनांदगांव बसंतपुर थाना क्षेत्र सुरगी पुलिस चौकी में महिला दिवस के अवसर पर होली मिलन रखा गया था चौकी प्रभारी ढाल साहू सहित पुलिस कमर्चारियों को योगेन्द्र दास वैष्णव महामंत्री जिला किसान कांग्रेस राजनंदगांव ओमप्रकाश पटेल ने बधाई दी तथा होली पर्व शांति से क्षेत्र संपन्न के लिए पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा तथा पुलिस प्रशासन आभार व्यक्त किया।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के नेतृत्व में विधान सभा क्षेत्र के सरपंचों ने देखी विधानसभा सत्र की कार्यवाही

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के नेतृत्व में दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न गांवों के सरपंचों ने छत्तीसगढ़ विद्यानसभा की कार्यवाही देखा और मुख्यमंत्री से सौजन्य मुलाकात किया। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने सरपंचों को विधानसभा की कार्यवाही के बारे में जानकारी दी और उनके साथ क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा की।

सरपंचों ने विधायक जी के साथ विधानसभा की कार्यवाही को देखा और सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद, सरपंचों ने मुख्यमंत्री जी से सौजन्य मुलाकात की और उन्हें क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने सरपंचों की समस्याओं को सुना और उनका समाधान करने का आश्वासन दिया। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा, "हमारा उद्देश्य है कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को सरकार तक पहुँचाना और उनका समाधान कराना। हम सरपंचों के साथ मिलकर क्षेत्र के विकास के लिए काम करेंगे और अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचना है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से सरपंच संघ अध्यक्ष ओमेश्वर राजू यादव, सैनिक भुवन लाल देशमुख, भागवत राम पटेल, हुपेन्द्र कुमार देशमुख, अनुसूईया साहू, नारायण साहू, प्रेमीन साहू, सुमरन लाल साहू, गायत्री साह, पुरुषोत्तम लाल साहू, चुम्मन लाल यादव, योगेश्वरी बाई, लक्ष्मी देवी साहू, किशोर कुमार साहू, लक्ष्मी यदु, महेश कुमार यादव, मीना यादव, गोपी चंद यादव, जीतेन्द्र गुप्ता, तुषार साहू, दुलारी देशलहरे, रामसिंह निषाद, कौशल प्रसाद निषाद, बसन्ती निषाद, गीता गजपाल, मोतिम निषाद, बालकिशन निषाद, संतोषी साहू, कुलेश्वर साहू, भुवन लाल देशमुख, पुष्पा बाघमारे सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

योजनाओं के माध्यम से श्रमिक परिवारों को मिल रही आर्थिक सहायता - मंत्री यादव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के मुख्य आतिथ्य में श्रम विभाग द्वारा श्रमिक सम्मेलन का आयोजन आज महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर भिलाई में किया गया। सम्मेलन के दौरान छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कमर्कार कल्याण मंडल के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित श्रमिकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से 9 हजार 556 श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग 10 करोड़ 42 लाख 7 हजार 343 रूपए की राशि अंतरित की गई। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने छ.ग. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कमर्कार कल्याण मंडल अंतर्गत संचालित योजनाओं के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए।

इनमें मिनीमाता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना और मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना शामिल हैं। श्रमिक सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में श्रमिकों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा लगातार योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मजदूरों द्वारा विभिन्न प्रकार के काम करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। ऐसे में यदि किसी श्रमिक के साथ कोई दुर्घटना हो जाती थी तो उसके परिवार को जीवन भर आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ती थी।

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कायर्काल में अन्य सन्निर्माण कमर्कार मंडल का गठन किया गया। मंडल के माध्यम से प्रदेश के मजदूर भाई-बहनों का श्रम विभाग में पंजीयन शुरू किया गया और श्रमिक कार्ड बनाए गए, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। साथ ही महिला श्रमिकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई मशीन उपलब्ध कराई गई, जिससे वे घर बैठे काम कर सकें। राज्य में गरीबों के लिए दो रुपये किलो चावल की योजना भी शुरू की गई थी। पहले यह सुविधा केवल गरीबी रेखा के अंतर्गत आने वाले परिवारों को मिलती थी, लेकिन बाद में श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिक कार्ड धारकों को भी इसका लाभ मिलने लगा। इस तरह श्रमिकों को राशन कार्ड और श्रम कार्ड के माध्यम से खाद्य सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई।

वतर्मान में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में दिया जा रहा है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से श्रमिक परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। मंत्री श्री यादव ने श्रमिकों से अपील की है कि वे श्रम विभाग में पंजीयन कराकर इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस अवसर पर अध्यक्ष छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कमर्कार कल्याण मंडल ने भी मंडल द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे ने भी संक्षिप्त उद्बोधन दिया। इस अवसर पर तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, भोजराम सिन्हा, तुलसी साहू, ललेश्वरी साहू, पार्षद मनीष कोठारी, पार्षद गुलराम साहू, अध्यक्ष महिला मोर्चा स्वीटी कौशिक, अध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन कीर्ति नायक, श्रम अधिकारी विकास सरोडे, श्रम निरीक्षक बसंत वर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व IAS अनिल टुटेजा की जमानत याचिका किया खारिज

नई दृष्टिबिंदु / दिल्ली

जेल में बंद पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा की उस याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ नए एफआईआर दर्ज करने से रोकने और पुराने कायम हुए सभी मामलों में एक साथ जमानत देने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आप सत्ता के करीबी अफसर में शामिल थे और आपने वर्षो तक सत्ता का आनंद लिया है। यह मामला सरकारी धन के निजी हाथों में जाने का है। आपको कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करना होगा।

पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा की कांग्रेस सरकार के दौरान राज्य में तूती बोलती थी। वे आबकारी घोटाले से लेकर डीएमएएफ, नान घोटाला, कस्टम मिलिंग घोटाला,कोल घोटाले के आरोपी हैं। हाल ही में उन्हें एक मामले में हाईकोर्ट से जमानत मिली है। बाकी मामलों के लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका

लगाई थी, जिसमें उन्होंने सारे मामलों में एक साथ जमानत और जांच एजेंसियों को सभी मामलों में एक साथ पूछताछ करने और ट्रायल पूरा होने तक उन्हें बेल देने के निर्देश देने की मांग करते हुए नए मामले दर्ज करने पर भी रोक लगाने की मांग की थी।

सोमवार को उनके मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस सूयकांत और जस्टिस जयमाल्या बागची की डिवीजन बेंच में हुई। अनिल टुटेजा की तरफ से अधिवक्ता शोएब आलम उपस्थित हुए थे। उन्होंने अपने तर्क में बताया है कि जब अनिल टुटेजा एक मामले में बेल पाने के करीब थे तब जांच एजेंसियों ने उन्हें दूसरे मामले में गिरफ्तार करने की अनोखी काबिलियत दिखाई है। अदालत को बताया गया कि टुटेजा अप्रैल 2024 से जेल में है और उन्हें छत्तीसगढ़ की ईओडब्लू और ईडी की ओर से लगातार कस्टडी में पूछताछ के लिए अपनी मर्जी से कहा है।

टुटेजा के अधिवक्ता ने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ सरकार और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उन्हें हर बार किसी लंबित मामले में जमानत मिलने पर एक नए मामले में हिरासत में ले लेने से उनके व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन भी हो रहा है। उन्हें सिर्फ सलाखों के पीछे रखने के लिए किसी एक मामले में गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए। अधिवक्ता ने तर्क दिया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी जमानत रद्द किए जाने के बाद वह पिछले 20 महीनों से जेल में बंद है और जब वह पहले से हिरासत में है तो उन्हें अन्य मामलों में रिमांड पर नहीं लिया जा सकता। जमानत पर रिहा होने का इंतजार करने के बजाय सभी मामलों में उनसे पूछताछ की जानी चाहिए। इन सभी मामलों में एक ही पैटर्न में दिखाई दे रहा है।

तर्कों को सुनने के पश्चात अदालत ने कहा कि ऐसा नहीं है कि यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है। आप एक नौकरशाह हैं जिन्होंने इतने वर्षो तक सत्ता का आनंद लिया है। यह मुद्दा सार्वजनिक धन के निजी हाथों में जाने का है, यदि आप इसमें शामिल हैं तो आपको न्यायिक प्रक्रिया का पालन करना पड़ेगा। पीठ ने कहा कि आपका तर्क भावनात्मक रूप से तो सही है लेकिन कानूनी रूप से सही नहीं है। कानूनी दृष्टिकोण से देखा जाए तो आप का तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि जब एजेंसी ही आपकी गिरफ्तारी के लिए तैयार नहीं है तो हम आपकी गिरफ्तारी कैसे लागू कर सकते हैं। सीजेआई की बेंच ने कहा कि कोर्ट ने उन सभी मामलों में आपको जमानत दी है जहां विवेक का इस्तेमाल किया गया था लेकिन हम सभी मौजूदा और भविष्य के मामले में जमानत देने का कोई जरूरी आदेश नहीं दे सकते।

आज 108 नक्सली जगदलपुर में करेंगे सरेंडर

नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर

बस्तर में माओवादी हिंसा के खिलाफ चल रहे अभियान के बीच आज 'पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन' पहल के तहत दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) से जुड़े कुल 108 माओवादी कैडर समाज की मुख्यधारा में लौटने जा रहे हैं। यह कार्यक्रम बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर स्थित शौर्य भवन, पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर, लालबाग में दोपहर दो बजे आयोजित होगा।

कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ नागरिकों, पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के अधिकारियों तथा जिला प्रशासन के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में माओवादी कैडर हिंसा का रास्ता छोड़कर सामान्य जीवन की ओर

कदम बढ़ाएंगे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, समर्पण करने वाले कैडरों से मिली सूचनाओं के आधार पर माओवादी विरोधी अभियानों के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी डंप बरामदगी की गई है।

बीजापुर सहित बस्तर रेंज के विभिन्न जिलों में जंगलों में छिपाकर रखे गए हथियार, विस्फोटक और अन्य सामग्री को सुरक्षा बलों ने बरामद किया है। इन बरामद डंप को भी कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित किया जाएगा। पिछले कुछ वर्षों में बस्तर में माओवादी संगठन को लगातार झटके लगे हैं। समर्पण और पुनर्वास नीति के तहत बड़ी संख्या में माओवादी मुख्यधारा में लौट रहे हैं। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार पिछले दो वर्षों में 2700 से अधिक माओवादी कैडर हथियार छोड़कर आत्मसमर्पण कर चुके हैं, जिनमें कई इनामी माओवादी भी शामिल रहे हैं। इन समर्पित माओवादियों को शासन की पुनर्वास योजना के तहत आर्थिक सहायता, आवास, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

बिहार की सत्ता का नया अध्याय—नीतीश की विदाई, उत्तराधिकार व भाजपा की दुविधा

संदीप सिंह / पटना

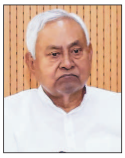

बिहार की राजनीति इन दिनों एक बड़े संक्रमण काल से गुजर रही है। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की अटकलों और उनके नामांकन के बाद राज्य की सत्ता में संभावित बदलाव को लेकर राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। इस बदलाव ने केवल मुख्यमंत्री पद की दौड़ को ही रोचक नहीं बनाया, बल्कि सत्ता संतुलन, उत्तराधिकार और परिवारवाद की राजनीति को लेकर नई बहस भी छेड़ दी है।

मुख्यमंत्री पद के संभावित दावेदारों में सबसे आगे नाम लिया जा रहा है सम्राट चौधरी का। ओबीसी समाज में उनकी पकड़ और संगठन में उनकी सक्रियता उन्हें मजबूत दावेदार बनाती है। वहीं केंद्र सरकार में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय को भी भाजपा नेतृत्व का भरोसेमंद चेहरा माना जाता है। इनके अलावा विजय कुमार सिन्हा का नाम भी चर्चा में है, जिनके पास संगठन और विधानसभा संचालन का लंबा अनुभव है।

लेकिन इस राजनीतिक समीकरण के बीच सबसे ज्यादा चर्चा जिस नाम की है, वह है निशांत कुमार। राजनीति से दूर रहने वाले निशांत ने हाल ही में जनता दल (यूनाइटेड) की सदस्यता ग्रहण कर सक्रिय राजनीति में कदम रखा है। इसे नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। चर्चा यह भी है कि उन्हें विधान परिषद के रास्ते सदन में लाकर उपमुख्यमंत्री जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है।

यही वह मोड़ है जहां बिहार की राजनीति केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं रह जाती, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर चल रही उस बहस से भी जुड़ जाती है जिसमें परिवारवाद बनाम राजनीतिक उत्तराधिकार का सवाल शामिल है। भारतीय जनता पार्टी लंबे समय से परिवारवादी राजनीति पर हमला करती रही है, खासकर लालू प्रसाद यादव और जवाहरलाल नेहरू के राजनीतिक परिवारों को लेकर। ऐसे में निशांत कुमार की एंट्री ने राजनीतिक विमर्श को एक नई दिशा दे दी है।

दरअसल भारतीय राजनीति की वास्तविकता यही है कि सत्ता का उत्तराधिकार अक्सर राजनीतिक परिवारों के भीतर ही आकार लेता है। चाहे राष्ट्रीय दल हों या क्षेत्रीय, लगभग हर दल में इसके उदाहरण मौजूद हैं। यही कारण है कि बिहार की मौजूदा राजनीतिक हलचल केवल मुख्यमंत्री की कुर्सी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक राजनीतिक संस्कृति की भी झलक है जहां नेतृत्व परिवर्तन और पारिवारिक विरासत साथ-साथ चलते हैं। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अंतिम फैसला किसके पक्ष में जाता है। भाजपा नेतृत्व अक्सर अपने निणर्यो से राजनीतिक पयर्वेक्षकों को चौंकाता रहा है। इसलिए अंतिम घोषणा तक किसी एक नाम पर मुहर लगाना जल्दबाजी होगी। लेकिन इतना तय है कि बिहार की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर रही है—जहां एक युग के समापन के साथ सत्ता, उत्तराधिकार और राजनीतिक समीकरणों की नई कहानी लिखी जाने वाली है।

पीएम मातृत्व वंदना योजना में छग देश में अव्वल

बड़े राज्यों को पछाड़कर बना नंबर-वन, मुख्यमंत्री साय व मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और सशक्तिकरण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने एक और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के क्रियान्वयन की फरवरी 2026 की स्टेट-वाइज राष्ट्रीय रैंकिंग में छत्तीसगढ़ ने बड़े राज्यों की श्रेणी में देश में पहला स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। राज्य ने अन्य बड़े राज्यों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की है।

जारी रैंकिंग के अनुसार छत्तीसगढ़ ने 93.37 प्रतिशत नामांकन, 83.87 प्रतिशत स्वीकृति दर और 93.95 प्रतिशत शिकायतों के त्वरित समाधान के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वहीं 30 दिनों से अधिक लंबित प्रकरणों की दर मात्र 7.07 प्रतिशत और लंबित शिकायत दर 4.96 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो योजना के प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ ने पिछले माह की तुलना में 6 स्थानों की छलांग लगाकर पहला स्थान प्राप्त किया है।

इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और मैदानी अमले को बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सवोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा दिया जा रहा है और छत्तीसगढ़ का प्रथम स्थान इस दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का प्रमाण है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि को राज्य के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए विभागीय टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कुशल मार्गदर्शन और दूरदर्शी नेतृत्व के कारण ही छत्तीसगढ़ आज देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों-कर्मचारियों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के आपसी समन्वय, प्रतिबद्धता और समयबद्ध कायर्शैली के परिणामस्वरूप ही राज्य यह मुकाम हासिल कर पाया है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विश्वास व्यक्त किया कि विभाग भविष्य में भी इसी ऊर्जा और समर्पण के साथ कार्य करते हुए इस प्रथम स्थान को बनाए रखेगा तथा प्रदेश की प्रत्येक पात्र गर्भवती महिला तक योजना का लाभ समय पर पहुंचाएगा। उन्होंने योजना के क्रियान्वयन की जानकारी देते हुए बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक प्रदेश में 1,86,586 गर्भवती महिलाओं का प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत पंजीकरण किया जा चुका है। राज्य सरकार द्वारा अब तक 72 करोड़ 24 लाख 89 हजार रुपये की राशि सीधे पात्र हितग्राही महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिली है और छत्तीसगढ़ देश के सामने एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में उभर रहा है।

गर्मी में पेयजल संकट से निपटने कलेक्टर का आदेश, बिना अनुमति नलकूप खनन पर लगाई रोक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

गर्मी के मौसम में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अभिजीत सिंह ने छत्तीसगढ़ पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत जिले में आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार 30 जून 2026 अथवा मानसून आगमन तक जिले में भूजल के अनियंत्रित दोहन को रोकने के लिए बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के नया नलकूप (बोरवेल) खनन नहीं किया जा सकेगा।

यह व्यवस्था पेयजल स्रोतों के संरक्षण तथा आम नागरिकों को गर्मी के दौरान पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लागू की गई है। यह भी स्पष्ट किया गया है कि शासकीय, अधर्शासकीय एवं नगरीय निकायों को अपने क्षेत्राधिकार में पेयजल व्यवस्था के लिए आवश्यक नलकूप खनन की अनुमति अलग से लेने की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करना होगा। साथ ही, नलकूप खनन अथवा मरम्मत का कार्य केवल पंजीकृत बोरवेल एजेंसियों के माध्यम से ही किया जा सकेगा। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

आदेश के तहत विभिन्न क्षेत्रों के लिए अधिकृत अधिकारियों की नियुक्ति भी की गई है। नगर निगम दुर्ग, भिलाई और रिसाली क्षेत्र के लिए अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी दुर्ग को अधिकृत किया गया है। इसी प्रकार राजस्व अनुविभाग दुर्ग के शेष क्षेत्रों के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग, राजस्व अनुविभाग धमधा के लिए अनुविभागीय अधिकारी धमधा, राजस्व अनुविभाग पाटन के लिए अनुविभागीय अधिकारी पाटन तथा राजस्व अनुविभाग भिलाई-3 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों के लिए अनुविभागीय अधिकारी भिलाई-3 को अधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया है। अधिकारी संबंधित क्षेत्र में आवश्यकतानुसार जांच एवं रिपोर्ट प्राप्त कर नलकूप खनन की अनुमति प्रदान करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

दुर्ग पुलगांव चौक में सिग्नल बंद, विज्ञापन बोर्ड से छिप रहा दिशा सूचक बोर्ड

दुर्ग। शहर के व्यस्त पुलगांव चौक में यातायात व्यवस्था की लापरवाही सामने आई है। चौक पर लगा ट्रैफिक सिग्नल लंबे समय से बंद पड़ा है, जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सिग्नल बंद होने के कारण यहां कई बार जाम की स्थिति भी बन जाती है।

इसके साथ ही चौक पर लगे बड़े-बड़े विज्ञापन बोर्डों के कारण दिशा सूचक बोर्ड ठीक से दिखाई नहीं दे रहा है। विज्ञापनों के पोस्टर और बोर्ड इतने बड़े हैं कि उनके पीछे लगे किलोमीटर और दिशा बताने वाले बोर्ड की पहचान करना मुश्किल हो गया है। इससे खासकर बाहर से आने वाले लोगों को रास्ता समझने में दिक्कत होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम को इस ओर ध्यान देते हुए सिग्नल को जल्द चालू करना चाहिए और विज्ञापन बोर्डों को व्यवस्थित करना चाहिए, ताकि दिशा सूचक बोर्ड स्पष्ट दिखाई दे सके और लोगों को राहत मिल सके।

अवैध रिफिलिंग का खुलासा 34 गैस सिलेंडर जब्त

जगदलपुर। शहर में घरेलू गैस की कालाबाजारी और अवैध रिफिलिंग के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कारर्वाई की है। दीनदयाल उपाध्याय वार्ड में एक घर पर छापा मारकर 34 गैस सिलेंडर और रिफिलिंग पाइप जब्त किए गए हैं। मामले में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कारर्वाई शुरू कर दी गई है। खाद्य विभाग की टीम को राउतपारा स्थित बालाजी केयर हॉस्पिटल के पास एक घर में अवैध गैस भंडारण और रिफिलिंग की सूचना मिली थी। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देश पर मंगलवार को टीम ने प्रशांत महाजन के घर दबिश दी। जांच के दौरान घर के अंदर बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर मिले।

विधायक रिकेश की तत्परता से शांति नगर मैदान का निजीकरण रुका

कहा – एक इंच जमीन भी किसी निजी स्वार्थ की भेंट नहीं चढ़ने दूंगा संजय नगर के बाद अब शांति नगर मैदान को निजीकरण से बचाया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर विधानसभा के विधायक रिकेश सेन ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे क्षेत्र की जनता और सार्वजनिक संपत्तियों के सजग प्रहरी हैं। शांति नगर दशहरा मैदान को निजी हाथों में सौंपने की नगर निगम की योजना की जानकारी मिलते ही विधायक ने तत्काल हस्तक्षेप कर इस निर्णय को निरस्त करने के निर्देश दिए हैं।

संज्ञान में आते ही त्वरित कार्रवाई

आपको बता दें कि मैदान के निजीकरण और भविष्य में उसे बेचे जाने की आशंका को देखते हुए विधायक ने तत्काल नगर निगम आयुक्त से चर्चा की। विधायक के कड़े रुख के बाद निगम प्रशासन को टेंडर प्रक्रिया पर रोक लगाना पड़ा है।

गौरतलब हो कि संजय नगर खेल मैदान के बाद यह दूसरा अवसर है जब विधायक ने खेल के मैदान को 'शहर सरकार' के निजीकरण के एजेंडे से बचाया है। विधायक रिकेश सेन ने स्पष्ट किया है कि विकास खेल के मैदानों को बेच कर नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित और उन्नत बनाकर किया जाता है। मैं वैशाली नगर की एक इंच जमीन भी किसी निजी स्वार्थ की भेंट नहीं चढ़ने दूंगा। खेल के मैदान हमारे बच्चों और खिलाड़ियों की धरोहर हैं।

जनता के बीच बढ़ता विश्वास

विदित हो कि शांति नगर क्षेत्र के निवासियों ने इस निजीकरण के विरोध में 'जन आक्रोश रैली' की तैयारी कर ली थी। जैसे ही यह विषय विधायक के संज्ञान में आया, उन्होंने विधानसभा सत्र की व्यस्तता के बावजूद जनभावनाओं को प्राथमिकता दी और स्पष्ट किया कि वर्तमान 'शहर सरकार' के ऐसे फैसलों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जो सार्वजनिक हितों के विरुद्ध हों। विधायक की इस त्वरित और सकारात्मक पहल से क्षेत्र के खेल प्रेमियों, बुर्जुगों और युवाओं में हर्ष की लहर है।

पारिवारिक विवाद : विंग कमांडर ने की खुदकुशी

रायपुर। तेलीबांधा थाना क्षेत्र में एयरफोर्स के एक विंग कमांडर द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए और जांच शुरू कर दी है। पत्नी बेंगलुरु में जॉब करती है। दो बच्चे पिता के साथ रायपुर में रहते थे। पति पत्नी के बीच आए दिन विवाद होता था।

मिली जानकारी के अनुसार एयरफोर्स के विंग कमांडर विपुल यादव (39) ने विधायक विश्राम गृह स्थित बंगला नंबर 79, पुरैना विधायक कॉलोनी में अपने घर के भीतर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि वे यहां अपने परिवार के साथ रह रहे थे। पत्नी के साथ उनक पारिवारिक विवाद चल रहा था। 2014 में उन्होंने लव मैरिज की थी। पत्नी अजिर्ता श्रीवास्तव भी एयरफोर्स में थी अधिकारी थीं। इस्तीफा देकर वो आईटी सेक्टर कंपनी में काम कर रही थी। काम के सिलसिले में परसो वो दिल्ली रवाना हुई थीं। इनके दो बच्चे हैं।

9 साल का बेटा और 7 साल की बेटी है। घटना के समय दोनों बच्चे दूसरे कमरे में सो रहे थे। घर की मेड चाय देने पहुंची तब विंग कमांडर की फंदे पर झूले देखा। पुलिस ने मृतक का मोबाइल अपने कब्जे में लिया। एफएसएल टीम और पुलिस की टीमें जांच में जुटी हैं। तेलीबांधा थाना में मर्ग कायम कर सभी पहलुओं पर जांच में जुटी है। विंग कमांडर विपुल यादव मूल रूप से उत्तरप्रदेश आजमगढ़ के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद तेलीबांधा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिवार के सदस्यों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही आत्महत्या के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

शिवनाथ एवं बोरसी मुक्तिधाम का होगा नवीनीकरण मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल से 1 करोड़ की स्वीकृति

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग शहर की जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शिवनाथ नदी स्थित मुक्तिधाम एवं वार्ड क्रमांक 52 बोरसी मुक्तिधाम के नवीनीकरण के लिए शासन से स्वीकृति मिल गई है। दुर्ग शहर विधायक एवं केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल पर दोनों मुक्तिधामों के जीणोद्धार के लिए 50-50 लाख रुपये, कुल 1 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

बोरसी क्षेत्र के नागरिक लंबे समय से क्षेत्र के मुक्तिधाम के नवीनीकरण और मूलभूत सुविधाओं की मांग कर रहे थे, ताकि स्थानीय नागरिक अपने परिजनों का अंतिम संस्कार वहीं सुगमता से कर सकें। वहीं शिवनाथ नदी स्थित मुक्तिधाम में दुर्ग शहर के विभिन्न क्षेत्रों से नागरिक

अंतिम संस्कार के लिए पहुंचते हैं, जिसके कारण यहां अक्सर भीड़ रहती है। वर्षो पहले बने इन मुक्तिधामों की स्थिति को देखते हुए उनके नवीनीकरण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इस विषय को गंभीरता से लेते हुए मंत्री गजेन्द्र यादव ने शासन स्तर पर पहल की और दोनों मुक्तिधामों के नवीनीकरण के लिए आवश्यक राशि स्वीकृत कराई। नवीनीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद यहां अंतिम संस्कार करने सुव्यवस्थित सुविधाएं उपलब्ध होंगी। शासन से स्वीकृति मिलने पर दुर्ग शहर के नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने मंत्री गजेन्द्र यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि दुर्ग की जनता की सेवा ही उनका प्रमुख उद्देश्य है। जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप निरंतर विकास कार्यों की योजना बनाकर उन्हें क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र के 8 मुक्तिधामों के एक साथ जीणोद्धार के लिए राशि स्वीकृत कराई गई थी, जिसका कार्य अब अंतिम चरण में है।

मेयर ने नाली बनाने अपने वार्ड में की भूमिपूजन

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड 09 डीपीएस रिसाली सेक्टर में नाली निर्माण किया जाएगा। इस कार्य के लिए महापौर शशि सिन्हा ने 07 लाख 50 हजार की राशि अपने निधि से स्वीकृत की है। उन्होंने मंगलवार को भूमिपूजन कर कार्य आरंभ कराया।

महापौर शशि सिन्हा ने इस अवसर पर उपस्थि लोगों से कहा कि प्राथमिकता के आधार में वे कार्य स्वीकृत कर रही है और विकास कार्य को मूर्त रूप देने भूमिपूजन भी साथ ही साथ कर रही है। उन्होंने बताया कि ब्लाक 275 से ब्लाक 281 तक नाली निर्माण कार्य किया जाएगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में मोहन राव, कृष्ण वेणू, शकुंतला वर्मा, गिरजा ठाकुर, सुमन ध्रुव देवांगन, फगेश ठाकुर उपस्थित थे।

जिला प्रशासन की कार्रवाई, समोदा में हटाए गए अवैध कब्जा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले के जनपद पंचायत दुर्ग के अतंर्गत ग्राम समोदा में जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की गई। अवैध कब्जों पर जेसीबी के माध्यम से शासकीय भूमि रिक्त कराई गई।

कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त तहसीलदार श्रीमती क्षमा यदु द्वारा राजस्व अमले और पुलिस विभाग के सहयोग से ग्राम समोदा राजस्व निरीक्षक मंडल जेवरा सिरसा तहसील व जिला दुर्ग के अतंर्गत शासकीय घास भूमि खसरा नम्बर 778 रकबा 0.13 हेक्टेयर भूमि पर किये गये अवैध पक्का दुकान निर्माण, टीन शेड लगाकर दुकान निर्माण तथा सीमेंट पोल लगाकर किया गया तार घेरा को हटाने की कार्रवाई की गई।

ग्राम के ही ब्रजेश ताम्रकार पिता गिरजाशंकर ताम्रकार द्वारा उक्त शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर निर्माण कार्य किया गया था। अतिक्रमण हटाने के दौरान राजस्व निरीक्षक रेखा शुक्ला, पटवारी चन्द्रिका प्रसाद खरें, शत्रुहन मिश्रा, अनिता साहू, संदीप देशमुख और पुलिस विभाग के अधिकारी तथा पंचायत जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय ग्रामीणजन मौजूद थे।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।